राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 28 सितंबर 2026 वर्ष-9,अंक-237 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दिल्ली में एसआईआर की समयसीमा फिर बढ़ी, अब 4 दिसंबर को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

दावे-आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 30 अक्टूबर तक मौका; बीएलओ घर जाकर ले सकेंगे दस्तावेज, 30 नवंबर तक होगा मामलों का निपटारा

नई दिल्ली ।

दिल्ली में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समयसीमा एक बार फिर बढ़ा दी गई है। चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची जारी करने की तारीख 4 नवंबर से बढ़ाकर 4 दिसंबर कर दी है। इसके साथ ही मतदाताओं को दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 30 अक्टूबर तक अतिरिक्त समय दिया गया है। नोटिस, दावों और आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तारीख 30 नवंबर तय की गई है। एसआईआर के दौरान रिकॉर्ड में विसंगति पाए जाने पर नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं के लिए चुनाव आयोग ने दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया आसान की है। अब ऐसे लोगों को हर मामले में चुनाव कार्यालय जाकर सुनवाई में शामिल होने की जरूरत नहीं होगी। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) संबंधित मतदाता के घर जाकर जरूरी दस्तावेज ले सकेंगे। इसके बाद दस्तावेज ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए जाएंगे, जहां निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) उनके आधार पर फैसला करेंगे। आयोग के अनुसार, संशोधित कार्यक्रम दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) की ओर से भेजे गए अनुरोध के बाद जारी किया गया है। सीईओ ने 23 सितंबर को पत्र भेजकर एसआईआर के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। अधिकारियों के मुताबिक, ड्राफ्ट सूची के बाद दोबारा नाम शामिल कराने के लिए नए पंजीकरण के आवेदन अपेक्षाकृत कम आए हैं। इसके अलावा तकनीकी दिक्कतों और बीएलओ पर काम के दबाव को देखते हुए भी समय बढ़ाया गया है।

चौथी बार बदला एसआईआर का कार्यक्रम दिल्ली में 14 मई को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद समयसीमा में यह चौथा बदलाव है। शुरुआत में अंतिम

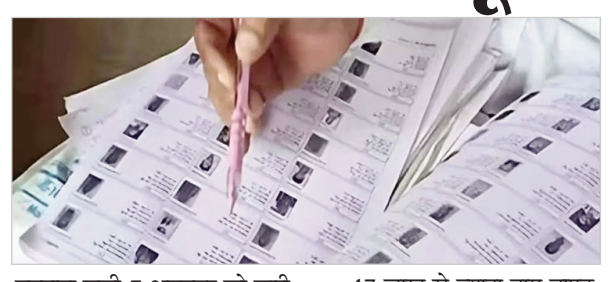

मतदाता सूची 7 अक्टूबर को जारी होनी थी। इसके बाद तारीख 19 अक्टूबर, फिर 27 अक्टूबर और 4 नवंबर की गई। अब अंतिम सूची 4 दिसंबर को प्रकाशित होगी।

47 लाख से ज्यादा नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची में करीब 1.45 करोड़ पुराने मतदाताओं में से लगभग 47.5 लाख नाम शामिल नहीं किए गए थे।

दीदी ने दिखाए तेवर बोलीं- तुम बंगाल रखो, हम दिल्ली लेने को तैयार

नई दिल्ली ।

एसआईआर को लेकर जारी बवाल और मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की खबरों के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा पर आक्रामक हो गई हैं। वह इस मौके का पूरा फायदा उठाकर विपक्षी एकता को मजबूत करने का प्रयास कर रही हैं और केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर तुमने बंगाल लिया है, तो हम दिल्ली ले लेंगे। ममता बनर्जी ने अपनी जानी दुश्मन रही सीपीएम के साथ भी बातचीत शुरू कर दी है, जो उनकी विपक्षी एकजुटता की पहल की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, जिसमें चुनाव आयोग से संबंधित मामलों और आगे की रणनीति पर गहन चर्चा की जाएगी। हुगली के सेरमपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संदेश दिया कि विपक्ष की सभी पार्टियों को एक साथ बैठकर चुनाव आयोग और एसआईआर की प्रक्रिया पर एक मजबूत रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं यह संदेश राहुल गांधी तक पहुंचाना चाहती हूं। मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के पीछे ज्ञानेश कुमार का हाथ था, और कहा कि जिस तरह ज्ञानेश कुमार को पकड़ा गया है, उसी तरह वह अन्य गलत काम करने वालों को भी पकड़ेंगी। उन्होंने दोहराया कि कुमार को जाना ही होगा, और जब तक वे नहीं चले जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। ममता ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने बंगाल पर कब्जा करने की नीयत से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया, जिसके तहत 93 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने दावा किया कि सबसे पहले तृणमूल ने ही सीमा खन्ना की भूमिका को संदिग्ध बताया था, और कहा कि सारे रिकॉर्ड दिए गए हैं, मतदाता सूची से एक-एक करके नाम गायब कर दिए गए हैं। उन्होंने बंगाल पर कब्जा किया है और वह दिल्ली पर कब्जा करेंगी।ममता बनर्जी ने घोषणा की कि वे एसआईआर के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करने वाली किसी भी राजनीतिक पार्टी का साथ देंगी, चाहे उसका राजनीतिक रंग कोई भी हो। उन्होंने एसटीएफ और सीआईडी जैसी एजेंसियों तथा पुलिस की आलोचना करते हुए जनता से कहा, डरिए मत। गिरफ्तारी के लिए तैयार रहिए, खुलकर बोलिए और एकजुट रहिए।

मिसाइल युग से आगे निकला अमेरिका..ला रहा लेजर ड्रोन शिकारी हेलियोस

वाशिंगटन ।

मध्य पूर्व में ड्रोन और मिसाइलों के बढ़ते खतरों के बीच, अमेरिका अपनी सैन्य क्षमताओं को एक नए आयाम दे रहा है। अमेरिकी नौसेना ने हाई-एनर्जी लेजर हथियार हेलियोस तैयार किया है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक मिसाइलों का उपयोग किए बिना ड्रोन और अन्य हवाई खतरों का मुकाबला करना है। यह हेलियोस (हाई-एनर्जी लेजर इंटीग्रेटेड ऑप्टिकल डिसरप्टर) 60 किलोवाट श्रेणी का शक्तिशाली लेजर हथियार है। हेलियोस को विशेष रूप से अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें यूएसएस प्रेबल पर इसकी तैनाती की जा चुकी है। हेलियोस का मुख्य कार्य ड्रोन को निशाना बनाना, उनके सेंसर को निष्क्रिय करना और दुश्मन के निगरानी उपकरणों से निपटना है। पारंपरिक मिसाइल दागने के बजाय, हेलियोस ऊर्जा की एक केंद्रित किरण का उपयोग करके लक्ष्य को भेदता है। अमेरिकी नौसेना के अनुसार, इसका उद्देश्य मानव रहित हवाई वाहनों, छोटी नौकाओं और दुश्मन के आईएसआर (खुफिया, निगरानी और टोही) सेंसर जैसे लक्ष्यों से निपटना है। इस प्रणाली को भविष्य में और अधिक शक्तिशाली बनाने की क्षमता भी रखी गई है। अमेरिकी नौसेना की 2025 की रक्षा रिपोर्ट में ड्रोन के खिलाफ इसके परीक्षण का भी उल्लेख किया गया है। इस लेजर प्रणाली के तहत, पहले रडार और अन्य सेंसर की मदद से ड्रोन का पता लगाया जाता है। इसके बाद, ऑप्टिकल सिस्टम लक्ष्य को ट्रैक करता है और लेजर बीम को ड्रोन के कमजोर हिस्से पर केंद्रित करता है। तकनीकी विवरण के अनुसार, ऑपरेटर ड्रोन की तस्वीर देखकर उसके कमजोर बिंदु की पहचान कर सकता है, जिसके बाद तेज गति से घूमने वाले दर्पण लेजर बीम को लगातार उसी स्थान पर केंद्रित रखते हैं।

दिवाली-दशहरा पर चलेंगी 102 स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली।

दिवाली और दशहरा के दौरान ट्रेनों में होने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे 102 फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें चलाएगी। रविवार से इन स्पेशल ट्रेनों के लिए टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है। इनमें सफर करने के लिए स्पेशल चार्जेस देना होगा। 10 अक्टूबर से 24 नवंबर के बीच चलने वाली ये स्पेशल ट्रेनें मुंबई, चेन्नई, लातूर, कोल्हापुर और कलबुर्गी जैसे शहरों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी। इन ट्रेनों में आईआरसीटीसी के एप और ऑफिशियल वेबसाइट, रेलवे के रिजर्वेशन सेंटर और रेलवन एप के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं।

अमित शाह ने देश की पहली एलएनजी ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

रेलवे के हरित भविष्य की ओर एक बड़ा कदम

अहमदाबाद ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के साबरमती रेलवे स्टेशन से एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) से चलने वाली देश की पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने इस पहल को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भारतीय रेलवे का महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम बताया। इस ऐतिहासिक क्षण पर शाह ने साबरमती की भूमि को महात्मा गांधी के आत्मशक्ति और सत्य के प्रयोगों की भूमि बताया। उन्होंने कहा कि आज इसी साबरमती डिवीजन में पर्यावरण संरक्षण, यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ी कई नई रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास हो रहा है। 1,472 करोड़ रुपए की लागत वाली इन परियोजनाओं से आने वाले दिनों में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को और मजबूती मिलेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने साबरमती रेलवे स्टेशन में आए अभूतपूर्व बदलाव का भी जिक्र किया, जो अब मेट्रो रेल, राज्य परिवहन बस स्टैंड और आगामी हाई-स्पीड रेल सेवा से सीधे जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने विकास की नई गति पकड़ी है, जिसमें प्रीमियम

स्टेशन, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और रैपिड रेल सिस्टम जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने घोषणा की कि भारत अब हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों की शुरुआत के साथ दुनिया के चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है। अमित शाह ने बताया कि वर्तमान में भारत में निर्मित लोकोमोटिव में करीब 94 प्रतिशत मेक इन इंडिया का योगदान है और जल्द ही 100 प्रतिशत स्वदेशी उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया जाएगा। उन्होंने भारतीय रेलवे की माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें 1,200 हॉर्सपावर का ट्विन-सेक्शन इंजन शामिल है।

ओडिशा में 9.24 करोड़ सरकारी फंड की हेराफेरी

2 अधिकारी गिरफ्तार, 77 खातों में भेजी रकम

भुवनेश्वर।

ओडिशा विजिलेंस ने सरकारी फंड की कथित हेराफेरी के मामले में सेक्शन ऑफिसर बनलता मोहंती और जूनियर असिस्टेंट बिभुदत्त नायक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने 2022-23 से 2025-26 के बीच फर्जी मंजूरी आदेश और बिल बनाकर 9.24 करोड़ रूपए की रकम निजी बैंक खातों में भेजी।

जांच में सामने आया कि फर्जी बिलों में अधिकृत लाभार्थियों की जगह आरोपियों के रिश्तेदारों और सहयोगियों के बैंक खाते दर्ज किए गए थे। कथित तौर पर 48 लोगों के 77 खातों में रकम भेजी गई। इनमें मोहंती के बेटे, ड्राइवर और सहयोगियों के अलावा नायक के भाई और रिश्तेदारों के खाते भी शामिल थे। बाद में इन खातों से कुछ रकम आरोपियों को ट्रांसफर की गई या कैश निकालकर दी गई। हेराफेरी का पता चलने के बाद प्रशासन ने कथित तौर पर 3.96 करोड़ रूपए की रकम बरामद कर ली। दोनों अधिकारियों समेत अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और बीएनएस की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। मामले की आगे जांच जारी है।

आईडीए के लापरवाह अधिकारी लगा 100 करोड़ का फटका

34 साल से चली आ रही ग्राम कुमेर्डी जमीन अधिग्रहण कार्रवाई निरस्त

इन्दौर ।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जस्टिस संदीप एन. भट्ट की एकल पीठ द्वारा दिए एक महत्वपूर्ण फैसले के बाद आइडीए के हाथ से लगभग 100 करोड़ की जमीन निकल गई। कोर्ट ने फैसला सुनाते करीब 34 साल से चली आ रही इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) की स्कीम-139 के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया को निरस्त कर याचिका दायर करने वाले जमीन मालिकों को जमीन का उपयोग करने की स्वतंत्रता दे दी। मामला उज्जैन रोड स्थित सांवेर तहसील के ग्राम कुमेर्डी स्थित पुष्पाबाई कोठारी, घनश्यामदास और उनके पिता अंबादास कोठारी की सर्वे नंबर 36 की करीब 15 एकड़ जमीन का है जिसे आइडीए की स्कीम 139 में शामिल करने के लिए आइडीए ने 21 मई 1997 को योजना बनाने का प्रस्ताव पारित किया और 7 मई 1999 को ड्राफ्ट स्कीम प्रकाशित की तथा उसके बाद 3 अक्टूबर 2002 को अधिसूचना जारी कर आपत्तियों की सुनवाई पश्चात भूमि अधिग्रहण अधिकारी ने 23 नवंबर 2004 को अवॉर्ड पारित किया। इसे लेकर ही उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कोर्ट को बताया गया कि उन्हें आपत्ति रखने का अवसर नहीं मिला और आज तक मुआवजा नहीं मिला। वहीं, जबकि सुनवाई दौरान आइडीए ने दावा किया कि मुआवजा राशि जमा की जा चुकी थी और 2003 व 2005 में जमीन का कब्जा भी लिया गया। आईडीए द्वारा उक्त जमीन का कब्जा लिए जाने का यह विवाद सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच चुका था जहां सुनवाई दौरान आएडीए के द्वारा पेश कथित कब्जा पंचनामा के गवाह रामप्रसाद ने हलफनामा देकर कहा था कि उन्होंने कुमेडीं की जमीन पर कब्जा लेने की कार्रवाई नहीं देखी और उनसे दूसरे स्थान की जमीन के संबंध में हस्ताक्षर कराए गए थे। हाईकोर्ट ने इस बयान को महत्वपूर्ण मानते अपने फैसले में कहा कि जब पंचनामा के स्वतंत्र गवाह ने ही तथ्यों से इनकार किया और याचिकाकर्ता के हस्ताक्षर भी उस पर नहीं हो तो उसे निर्विवाद साक्ष्य नहीं माना जा सकता। ऐसे पंचनामा को कब्जा साबित करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। वहीं कोर्ट ने यह भी माना कि रिकॉर्ड के अनुसार याचिकाकर्ता जमीन पर खेती कर रहे हैं और फसल भी खड़ी थी। कोर्ट ने अपने फैसले में इस पर भी गौर करते टिप्पणी की कि सुप्रीम कोर्ट के 10 फरवरी 2016 के आदेश के बाद याचिकाकर्ता ने आपत्तियां दाखिल की थीं, लेकिन लंबे समय तक इन पर अधिकारियों ने निर्णय नहीं लिया जिसके चलते अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण अधिग्रहण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। वहीं न तो कब्जा लेने का विश्वसनीय प्रमाण है और न याचिकाकर्ताओं को मुआवजा दिया गया। ऐसी परिस्थितियों में भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई पुराने और नए कानून के अनुसार नहीं होने पर समाप्त हो चुकी है। कोर्ट ने फैसले में स्पष्ट कहा कि जमीन का वास्तविक कब्जा लेने का कोई प्रमाण रिकॉर्ड पर नहीं है और जमीन मालिक को मुआवजा भी नहीं दिया गया।

यूपी में आंधी-बारिश से 60 मौतें

हजारों पेड़-पोल उखड़े, फसलें बर्बाद

लखनऊ।

यूपी में बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी, अयोध्या और जौनपुर लगभग पूरे प्रदेश में 65 घंटे तक लगातार बारिश हुई। 30-40 किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं। 22 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा मंडराने लगा। आंधी-बारिश की वजह से 2 दिन में 60 लोगों की मौत हो चुकी है। लखनऊ में बारिश ने 15 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सितंबर महीने में एक दिन में सबसे ज्यादा 135.8 मिमी. बारिश हुई। इससे पहले 14 सितंबर 2012 को 138 मिमी. बारिश हुई थी। कानपुर में भी 45 साल का रिकॉर्ड टूट गया। 1981 के बाद पहली बार 24 घंटे में 175.4 मिमी बारिश हुई।

लगातार बारिश से गांव, गली और मोहल्लों में पानी भर गया है। सड़कें तालाब बन गई हैं। किसानों की सैकड़ों बीघा फसलें बर्बाद हो गई हैं। हजारों पेड़ और पोल उखडक़र गिर गए हैं। कानपुर-इटावा हाईवे 200 मीटर धंस गया। कुशीनगर में गंडक बैराज के 36 फाटक खोल दिए गए हैं। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी का श्रावस्ती दौरा रद्द कर दिया गया है। लखनऊ में घरों में किचन और बेडरूम तक पानी घुस गया है। गलियों में कमर तक पानी भरा है। बरेली और गोरखपुर में गलियों में बाइक और कारें डूब गईं। योगी ने अपील की है कि लोग बेवजह घर से बाहर न निकलें।

अपनों का ख्याल रखें। सरकार आपके साथ खड़ी है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 52.5 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य 2.7 मिमी से 25 गुना ज्यादा है।

खगोलविदों ने की सबसे कम उम्र के ग्रह के खोज की पुष्टि

वाशिंगटन ।

अमेरिकी खगोलविदों ने सबसे कम उम्र के ग्रह की खोज करने की पुष्टि की है। इस नए ग्रह की उम्र 10 लाख साल से भी कम आंकी गई है। इस नवजात ग्रह का नाम एलियास 2-24 बी रखा गया है। यह ग्रह अभी अपने युवा तारे के चारों ओर मौजूद गैस, धूल और बर्फ की विशाल डिस्क के भीतर ही घूम रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह खोज ग्रहों के निर्माण को लेकर मौजूदा वैज्ञानिक मॉडलों के सामने कई नए सवाल खड़े करती है। यह ग्रह पृथ्वी से करीब 450 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है और इसका द्रव्यमान बृहस्पति के लगभग बराबर बताया गया है। इस खोज की पुष्टि चिली की डिएगो पोर्टेल्स यूनिवर्सिटी और हवाई स्थित डब्ल्यू. एम. केक वेधशाला के पुराने आंकड़ों के विश्लेषण के बाद हुई। इससे पहले मिले सबसे युवा ग्रहों की उम्र करीब 50 लाख साल या उससे अधिक मानी जाती थी। इनमें पीडीएस 70 और विस्पिट 2 जैसे तारों की परिक्रमा करने वाले ग्रह शामिल हैं। एलियास 2-24 बी की उम्र इससे काफी कम है, जिससे यह अब तक ज्ञात सबसे युवा ग्रहों में विशेष स्थान रखता है। नवजात ग्रह को खोजना आसान नहीं था, क्योंकि युवा तारों के आसपास गैस और धूल की मोटी डिस्क मौजूद रहती है। इसी डिस्क के भीतर ग्रहों का निर्माण होता है। डब्ल्यू. एम. केक वेधशाला में मौजूद कोरोनाग्राफ की मदद से तारे की तेज रोशनी को कम किया गया, जिससे उसके आसपास मौजूद बेहद धुंधली वस्तु को देखा जा सका। वैज्ञानिकों ने पाया कि ग्रह अपनी परिक्रमा के दौरान डिस्क में एक बड़े खाली हिस्से के भीतर मौजूद है। इस कहानी की शुरुआत करीब एक दशक पहले हुई थी, जब अल्मा दूरबीन ने एलियास 2-24 तारे के आसपास मौजूद डिस्क में एक बड़ा गैप देखा था। बाद में वेरी लार्ज टेलीस्कोप ने इसी क्षेत्र में रोशनी के एक बेहद कमजोर बिंदु का संकेत दिया। उस समय यह स्पष्ट नहीं था कि वह वास्तव में ग्रह है या किसी प्रकार की इमेजिंग त्रुटि। शोधकर्ताओं ने 2018 और 2020 के संग्रहित आंकड़ों का दोबारा अध्ययन किया और इस वस्तु की गति का विश्लेषण किया। अलग-अलग समय के आंकड़ों में इसकी स्थिति में बदलाव मिलने के बाद ग्रह की वास्तविकता की पुष्टि हुई। शोधकर्ताओं के अनुसार, इतनी कम उम्र में बृहस्पति के बराबर विशाल ग्रह का बनना मौजूदा ग्रह निर्माण सिद्धांतों के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। यह ग्रह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वैज्ञानिकों को ग्रह निर्माण के शुरुआती चरणों को समझने का दुर्लभ अवसर देता है। हमारे

सौरमंडल के ग्रह भी अरबों साल पहले गैस और धूल से बने थे, लेकिन उस दौर को सीधे देख पाना संभव नहीं है। एलियास 2-24 बी जैसे नवजात ग्रह वैज्ञानिकों को उस प्रक्रिया की झलक दे सकते हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि नासा का नैन्सी ग्रेस रोमन अंतरिक्ष दूरबीन भविष्य में ऐसे और युवा ग्रहों की खोज में मदद करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 26 सितंबर से श्राद्धपक्ष शुरू होने जा रहा है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शांति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं–

पितृपक्ष दौरान जप तप और पितरों के नाम से तर्पण से प्रसन्न होते हैं पितर

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। साल 2026 में पूर्णिमा का श्राद्ध (भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध) 26 सितंबर शनिवार, 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन से साल 2026 के पितृ पक्ष की औपचारिक शुरुआत होगी।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें, पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुय अंग हैं– 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं या हैं वे नियम

श्राद्ध कर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निन नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास– ये चारों मुक्ति के साधन हैं– गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिंद्रा एसयूवी फिर हो सकती है महंगी

- जिंसों की कीमतों में उछाल के कारण अगले दो सप्ताह में हो सकता है फैसला

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख वाहन निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने एसयूवी ग्राहकों को एक बार फिर झटका दे सकती है। कंपनी ने जिंसों की बढ़ती लागत के मद्देनजर अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की कीमतों में एक और वृद्धि करने का संकेत दिया है। अगले दो सप्ताह में इस पर अंतिम फैसला होने की उम्मीद है। महिंद्रा ऑटोमोटिव के एक अे धिकारी ने बताया कि इस साल कंपनी पहले ही जनवरी, अप्रैल और जुलाई में तीन बार कीमतें बढ़ा चुकी है। जुलाई में एसयूवी की कीमतों में लगभग 2.7 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। हालांकि पिछली बढ़ोतरीयों का ग्राहकों की पूछताछ या बुकिंग पर कोई खास असर नहीं पड़ा है, क्योंकि वाहन अभी भी जीएसटी कटौती से पहले की तुलना में कम कीमत पर उपलब्ध हैं, जिससे बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। त्योहारी सीजन में भी बेहतर मांग की उम्मीद है। कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की भी योजना बना रही है। वर्तमान में 60,000 पारंपरिक और 8,000 इलेक्ट्रिक वाहन प्रति माह की क्षमता है, जिसे मार्च-अप्रैल तक बढ़ाकर क्रमशः 70,000 और 12,000 यूनिट किया जाएगा। अे धिकारी ने यह भी बताया कि कंपनी का मुख्य ध्यान इलेक्ट्रिक वाहनों पर है और अगले छह महीनों में कई अपडेटेड और दो नए मॉडल बाजार में उतारे जाएंगे।

फुजियामा मप्र के रतलाम में 1.2 गीगावाट सौर सेल संयंत्र लगाएगी

कंपनी 350-400 करोड़ रुपये का करेगी निवेश

नई दिल्ली ।

सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता फुजियामा पावर सिस्टम्स मध्य प्रदेश के रतलाम में 1.2 गीगावाट क्षमता का एक अत्याधुनिक सौर सेल विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। लगभग 350 से 400 करोड़ रुपये के निवेश से बन रहा यह संयंत्र कंपनी की 2030 तक एक एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी बनने की महत्वाकांक्षी योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फुजियामा पावर सिस्टम्स के एक अे धिकारी ने बताया कि प्रस्तावित नई परियोजना में उन्नत टॉपकॉन प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाएगा, जो पारंपरिक पीईआरसी तकनीक की तुलना में अधिक कुशल है। उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक यहां सौर सेल का उत्पादन शुरू हो जाएगा। इस संयंत्र के शुरू होने के बाद, फुजियामा की कुल सौर सेल विनिर्माण क्षमता बढ़कर 2.3 गीगावाट हो जाएगी। वर्तमान में कंपनी उत्तर प्रदेश के दादरी में 1.1 गीगावाट क्षमता का सेल संयंत्र संचालित करती है। कंपनी की 2030 की रूपरेखा में आगे चलकर इंगट और वेफर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना भी शामिल है। इसका उद्देश्य सौर मॉड्यूल निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल की लागत कम करना और घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना है। फुजियामा की कुल सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता 3.6 गीगीवाट है। यह विस्तार सरकार की मॉडल और विनिर्माताओं की अनुमोदित सूची पहल के अनुरूप भी है, जो घरेलू विनिर्माण और उपकरणों की गुणवत्ता को बढ़ावा देती है।

पेट्रोनेट के निदेशकों को पांच साल और मिलेगा मुनाफे में एक फीसदी कमीशन

व्यवस्था 2026-27 से 2030-31 तक जारी रहेगी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने अपने निदेशकों को मुनाफे के आधार पर कमीशन देने की मौजूदा व्यवस्था को वित्त वर्ष 2026-27 से अगले पांच साल (2030-31 तक) जारी रखने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी है। कंपनी के आगामी आम बैठक के नोटिस के अनुसार यह प्रस्ताव 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेगा। इसके तहत निदेशकों को सालाना मुनाफे का अधिकतम एक प्रतिशत कमीशन दिया जा सकेगा, जिसका वितरण निदेशक मंडल तय करेगा। यह व्यवस्था सितंबर 2021 में मंजूर हुई पिछली योजना का विस्तार है, जिसे 2007 से ही कई बार मंजूरी मिलती रही है। कंपनी ने अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति को इस व्यवस्था को जारी रखने का आधार बताया है। उसने स्पष्ट किया कि वास्तविक रूप से दिया गया कमीशन वैधानिक सीमा से काफी कम रहा है और कंपनी अधिनियम 2013 में निर्धारित कुल सीमा के भीतर है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्रबंध निदेशक को 26.5 लाख रुपये और स्वतंत्र निदेशकों को 10 लाख रुपये का कमीशन मिला था। वित्त वर्ष 2025-26 में पेट्रोनेट एलएनजी का मुनाफा 3,843 करोड़ रुपये था। उल्लेखनीय है कि इंडियन ऑयल, गेल, ओएनजीसी और बीपीसीएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी हिस्सेदारी होने के बावजूद, पेट्रोनेट एक निजी कंपनी के रूप में पंजीकृत है। इस कारण यह सीवीसी, कैग और आरटीआई के दायरे में नहीं आती, और इसके कार्यकारियों को अन्य पीएसयू की तुलना में अधिक वेतन तथा 65 वर्ष की सेवानिवृत्ति आयु मिलती है।

भू-राजनीतिक घटनाक्रम, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

घरेलू मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन और पीएमआई आंकड़े करेंगे प्रभावित

नई दिल्ली ।

आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए कम कारोबारी सत्रों वाला रहेगा, लेकिन निवेशकों की नजर वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर टिकी रहेगी। भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि घरेलू मोर्चे पर आर्थिक आंकड़े अहम रहेंगे। शुक्रवार, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच संभावित राजनयिक वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर सीधा असर डालेगी। ऊर्जा कीमतों में गिरावट भारत के आयात बिल को कम कर सकती है और रुपये को सहारा दे सकती है, जबकि तनाव बढ़ने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। बाजार के` विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रेंट कच्चे तेल का 105-106 डॉलर प्रति बैरल पर बने रहना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी भी चिंता का विषय है, इसलिए इस मोर्चे पर कोई भी राहत बाजार के लिए सकारात्मक होगी। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के हालिया नीतिगत फैसलों के बाद वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल की चाल भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी। प्रतिफल में वृद्धि और डॉलर की मजबूती उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का कारण बन सकती है, जिससे भारतीय बाजार पर भी दबाव बढ़ेगा।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और रुपये की डॉलर के मुकाबले चाल पर भी पैनी नजर रहेगी, क्योंकि कच्चे तेल के आयात के लिए डॉलर की मांग रुपये पर दबाव बना सकती है। घरेलू मोर्चे पर, अगस्त के औद्योगिक उत्पादनके आंकड़े और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई बाजार को नई दिशा देंगे। इसके अतिरिक्त, मासिक वाहन बिक्री के आंकड़े और केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे पर भी निवेशकों की निगाहें रहेंगी।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी उपभोक्ता भरोसा और यूरो क्षेत्र की सितंबर मुद्रास्फीति के आंकड़े भी ब्याज दर को लेकर वैश्विक धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। कुल मिलाकर यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण आर्थिक और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से भरा रहेगा, जिससे बाजार में सावधानी और उतार-चढ़ाव दोनों देखने को मिल सकते हैं।

त्योहारी सीजन से पहले महंगा होगा इलेक्ट्रॉनिक्स, 8 फीसदी तक बढ़ेंगे दाम

कच्चे माल की बढ़ती लागत और ढुलाई शुल्क बना वजह

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन शुरू होने से ठीक पहले उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका लगने वाला है। एयर कंडीशनर (एसी), एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन और रेफ्रिजरेटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामानों के दाम 3 से 8 फीसदी तक बढ़ेंगे। कंपनियों ने कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ती लागत को इसकी मुख्य वजह बताया है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह इस साल तीसरी बार होगा जब कई कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगी। एसी की कीमतों में 5 से 8 फीसदी की वृद्धि संभव है, जबकि वॉशिंग मशीन, फ्रिज और एलईडी टीवी 3 से 4 फीसदी तक महंगे हो सकते हैं। कुछ कंपनियां पहले ही दाम बढ़ा चुकी हैं। कंपनियों के मुताबिक, तांबा, एल्युमिनियम, स्टील, प्लास्टिक और कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके साथ ही वैश्विक स्तर पर माल ढुलाई महंगी होने तथा विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव ने भी उत्पादन लागत बढ़ाई है। हायर इंडिया 1 अक्टूबर से एसी की कीमत में 5 फीसदी की वृद्धि कर सकता है। वही डाइकिन 16 सितंबर से ही 8-10 फीसदी की बढ़ोतरी कर चुका है। सुपर प्लास्ट्रॉनिक्स भी अक्टूबर के बाद टीवी की कीमतें 7 फीसदी तक बढ़ाएगा। त्योहारी सीजन, नवरात्रि से दिवाली तक, इलेक्ट्रॉनिक्स की सालाना बिक्री का 30-40 फीसदी हिस्सा होता है। ऐसे में कंपनियों के सामने कीमतों में बढ़ोतरी और उपभोक्ता मांग बनाए रखने की चुनौती है। हालांकि, बाजार में कुछ समय तक पुराने दाम पर खरीदा गया स्टॉक उपलब्ध रह सकता है, जिससे कुछ उत्पादों पर दिवाली तक राहत मिलने की उम्मीद है।

बैंक हड़ताल के तीन दिन एटीएम से फी ट्रांजेक्शन

- 28 से 30 सितंबर तक एटीएम ट्रांजेक्शन पर लगने वाला अतिरिक्त शुल्क माफ

नई दिल्ली देशभर में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल से पहले ग्राहकों के लिए एक अहम राहत की खबर सामने आई है। सरकारी बैंकों ने हड़ताल के दौरान एटीएम से नकदी निकालने पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को माफ करने का फैसला किया है। अब इन तीन दिनों में ग्राहक मुफ्त एटीएम ट्रांजेक्शन की निर्धारित सीमा से अधिक बार भी बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के नकदी निकाल सकेंगे, जिससे हड़ताल के कारण होने वाली असुविधा कुछ कम होगी। सरकारी बैंकों का राहत भरा ऐलान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक जैसे प्रमुख सरकारी बैंकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस फैसले की घोषणा की है। उन्होंने अपने आधिकारिक पेजों पर पोस्ट कर ग्राहकों को सूचित किया है। इसका सीधा मतलब है कि ग्राहक अपनी बैंक के एटीएम के अलावा किसी अन्य बैंक के एटीएम से भी तय मुफ्त सीमा से अधिक बार नकदी निकालने पर अब अतिरिक्त शुल्क नहीं देंगे, जो सामान्य परिस्थितियों में वसूला जाता है। सामान्य एटीएम नियमों में मिली छूट सामान्य तौर पर भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, ग्राहक अपने बैंक के एटीएम से हर महीने 5 बार मुफ्त ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। वहीं, दूसरे बैंक के एटीएम ञ्से बड़े शहरों में 3 बार और अन्य जगहों पर 5 बार तक मुफ्त निकासी की सुविधा होती है। इस सीमा से अधिक बार एटीएम इस्तेमाल करने पर बैंक अतिरिक्त शुल्क वसूलते हैं।

खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कटौती का बड़ा असर, दाम में गिरावट

सरसों में सुधार जारी, मूंगफली-सोयाबीन-पाम समेत अधिकांश तेलों की कीमतें लुढ़कीं

नई दिल्ली

आगामी त्योहारों से पहले उपभोक्ताओं को राहत देते हुए बीते सप्ताह सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाने का बड़ा फैसला लिया। इस कदम का व्यापक असर बाजार पर दिखा, जिससे अधिकांश प्रमुख तेल-तिलहनों की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सरकार के शुल्क कटौती के बाद मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, पाम-पामोलीन और बिनौला की कीमतों में गिरावट देखी गई। हालांकि, सरसों तेल-तिलहन इस प्रवृत्ति से अछूता रहा। इसकी सीमित आवक और निरंतर मांग के चलते बीते सप्ताह इसके दामों में सुधार दर्ज हुआ, क्योंकि इसका कोई सीधा विकल्प बाजार में उपलब्ध नहीं है। सोयाबीन डीगम तेल में एक दिलचस्प स्थिति दिखी; गिरावट के बावजूद इसमें सुधार का आभास हुआ। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि शुल्क घटने के बाद आयातकों को इसे पहले के मुकाबले कम घाटे पर (लागत से 3-4 रुपये नीचे) बेचना पड़ रहा है, जबकि पूर्व में यह लागत से 10-11 रुपये नीचे बिक रहा था। इस स्थिति से संकेत मिलता है कि बैंकों का धन अभी भी नुकसान में है। उपलब्धता सुधारने और कीमतों पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार ने सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 5.5 फीसदी किया, जिससे प्रति किलो 14.80 रुपये की कमी आई। सोयाबीन डीगम और कच्चे पाम तेल (सीपीओ) पर भी शुल्क 16.5 फीसदी से घटाकर 11 फीसदी किया गया, जिससे क्रमशः 6.75 रुपये और 6.50 रुपये प्रति किलो की राहत मिली। सूरजमुखी पर भारी कमी के चलते मूंगफली तेल में भी गिरावट आई, जबकि बिनौला तेल नई फसल की आवक और शुल्क कटौती के दोहरे असर से नरम हुआ। बीते सप्ताह सरसों दाना 100 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 250 रुपये के सुधार के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,725-2,825 रुपये और 2,725-2,875 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,950-6,000 रुपये और 5,700-5,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,150 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 14,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सोयाबीन डीगम तेल 450 रुपये सुधार के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 7,550-8,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 525 रुपये की गिरावट के साथ 13,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,500 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आयुष सेवा क्षेत्र 2047 तक 318 अरब डॉलर पहुंचने की संभावना- रिपोर्ट

वित्त वर्ष 25 में 37 अरब डॉलर योगदान का अनुमान

नई दिल्ली ।

आयुष सेवा क्षेत्र देश के सबसे तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्रों में शुमार हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में इसका आर्थिक योगदान लगभग 36.92 अरब अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है, जो 2047 तक 216 से 318 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से करीब 17.6 लाख लोगों को आजीविका प्रदान कर रहा है, जो इसकी बढ़ती महत्ता को दर्शाता है। रिसर्च एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) की अध्ययन रिपोर्ट, जो नागपुर में 11वें आयुर्वेद दिवस पर जारी की गई, बताती है कि वित्त वर्ष 2022-23 के बाद से आयुष क्षेत्र सालाना 16.91 प्रतिशत की प्रभावशाली दर से बढ़ रहा है। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि ये निष्कर्ष आयुष क्षेत्र की बढ़ती आर्थिक क्षमता को दर्शाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आयुष अब केवल सांस्कृतिक विरासत नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य, वेलनेस, रोजगार और वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला एक तेजी से विकसित होता क्षेत्र बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 में चिकित्सा मूल्य यात्रा (एमवीटी) से भी लगभग 1.77 अरब डॉलर का राजस्व अर्जित किया गया। आरआईएस के एक अे धिकारी ने बताया कि यह अध्ययन सभी छह आयुष प्रणालियों से जुड़े 15,914 प्रतिष्ठानों के सर्वेक्षण पर आधारित था। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अब अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण और ज्ञान-आधारित सेवा क्षेत्र बन चुका है। आयुष की विभिन्न

प्रणालियों में, आयुर्वेद सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जिसने 2024-25 में कुल आयुष राजस्व का लगभग 48 प्रतिशत का योगदान दिया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आयुष कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 43 प्रतिशत है।

टाटा मोटर्स पीवी को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी 15 फीसदी पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स को घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी जल्द 15 प्रतिशत के पार पहुंचने की उम्मीद है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य भी रखा है, जो उसकी आक्रामक विस्तार योजना का हिस्सा है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि यात्री वाहन कारोबार पिछले एक साल में करीब 40 प्रतिशत बढ़ा है। सितंबर अंत तक कंपनी की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद है। अे धिकारी के अनुसार कंपनी दोहरे अंक में वृद्धि के साथ-साथ टिकाऊ और शून्य-उत्सर्जन वाले पावरट्रेन में अग्रणी बनने पर केंद्रित है। 20 प्रतिशत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, कंपनी नए वाहन खंडों में प्रवेश करेगी, मौजूदा उत्पादों में तेजी से बदलाव करेगी और ग्राहकों के लिए नए विकल्प पेश करेगी। उन्होंने कहा कि टाटा मोटर्स बदलते आय वर्ग और ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद पेश करने पर जोर देगी, विशेषकर इलेक्ट्रिक और सीएनजी जैसे तेजी से बढ़ते पावरट्रेन सेगमेंट में। कंपनी भविष्य में बहु-उद्देश्यीय वाहन और कुछ नए लाइफस्टाइल एसयूवी खंडों में भी प्रवेश कर सकती है।

एसबीआई का लक्ष्य 2030 तक 200 लाख करोड़ का कारोबार

डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज विजन, ग्राहकों की सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बैंक की वृद्धि यात्रा का मूल मंत्र डिजिटल फर्स्ट, कस्टमर फर्स्ट, नेशन ऑलवेज बताते हुए कहा कि बैंक का लक्ष्य 2030 तक अपना कुल कारोबार दोगुना कर 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। उन्होंने डिजिटल प्रौद्योगिकी के विस्तार के साथ ग्राहकों के हितों की रक्षा और देश की अर्थव्यवस्था में भूमिका को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में, बैंक ने पूंजी आधार मजबूत करने, वित्तीय क्षेत्र में अपनी भूमिका गहरी करने और डिजिटल-ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग व्यवस्था विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अपने कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में पूंजी जुटाना, एसबीआई म्यूचुअल फंड की सूचीबद्धता और यस बैंक मामले में रणनीतिक भूमिका को गिनाया। उन्होंने कहा कि एसबीआई के लिए डिजिटल बदलाव केवल प्रौद्योगिकी अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्राहकों की सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता और डिजिटल जागरूकता भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर दिया कि बैंकिंग को लेन-देन से परे ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध और बेहतर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित होना चाहिए। एसबीआई पिछले सात दशकों से देश की वास्तविक अर्थव्यवस्था को समर्थन दे रहा है और पारंपरिक संबंध-आधारित बैंकिंग को डिजिटल नवोन्मेषण से जोड़कर यह यात्रा जारी रखेगा। शेट्टी ने अनुमान जताया कि 2030 तक बैंक का कुल कारोबार 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जबकि जून 2026 के अंत तक यह 110.01 लाख करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, बैंक ने अपनी प्लैटिनम जुबली के लिए कोई औपचारिक लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है।

अमेजन-फ्लिपकार्ट-जियोमार्ट को लगा झटका, हर्बीसाइड बेचने पर 10-10 लाख का जुर्माना

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की कार्रवाई

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स दिग्गज कंपनी अमेजन, फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर बड़ी कार्रवाई कर दी है। इन तीनों प्लेटफॉर्म को बिना पंजीकरण वाले कृषि-रसायन साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड को बेचने और विज्ञापित करने के आरोप में भारी जुर्माना ठोका गया है। अमेजन और फ्लिपकार्ट पर 10-10 लाख, जबकि जियोमार्ट पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिससे ऑनलाइन खरीदारों के बीच हड़कंप मचा है। सीसीपीए के आदेश रिकॉर्ड के मुताबिक, अमेजन पर 16 सितंबर 2026 को, जबकि फ्लिपकार्ट और जियोमार्ट पर 22 सितंबर 2026 को यह आदेश जारी किया है।सीसीपीए ने यह कार्रवाई तब की गई जब जांच में सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड नाम के उत्पाद की बिक्री कर रहे थे, जिसमें सक्रिय रासायनिक तत्व और उसकी सामग्री की विस्तृत जानकारी नहीं थी। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने सीसीपीए को सूचित किया कि साइक्लोसिनोन नामक कोई रसायन कीटनाशक अधिनियम, 1968 की अनुसूची में शामिल नहीं है। इस स्थिति ने इस रसायन के विपणन और बिक्री के लिए आवश्यक जांच और अनुमोदन प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। पूरे मामले की शुरुआत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्राप्त शिकायत से हुई थी, जो क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से आई थी। जांच में साफ हुआ कि कीटनाशकों और खरपतवारनाशकों जैसे कृषि-रसायनों की बिक्री और उपयोग के लिए देश में सख्त कानूनी नियम हैं, जिनका इन ऑनलाइन लिस्टिंग में पालन नहीं हुआ। सीसीपीए ने अपनी जांच में पाया कि साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड की ऑनलाइन लिस्टिंग में अनिवार्य जानकारी का अभाव था, जो उपभोक्ता सुरक्षा और नियामक मानदंडों का उल्लंघन है।सीसीपीए के आदेश में विशेष रूप से अमेजन के डेटा का उल्लेख किया है, जिसके अनुसार प्लेटफॉर्म पर अब तक साइक्लोसिनोन हर्बीसाइड के 38,410 ऑर्डर हुए थे और कुल 43,634 इकाइयाँ बेची गईं, जिनकी कुल बिक्री कीमत 96.42 लाख रुपये थी।

इस सप्ताह 7 कंपनियों के शेयर होंगे एक्स-डिविडेंड, शेयरधारकों को तगड़ा लाभांश

आर सिस्टम्स इंटरनेशनल 8 रुपए प्रति शेयर के साथ सबसे आगे

नई दिल्ली । शेयर बाजार में निवेशकों के लिए इस सप्ताह एक अच्छी खबर है, क्योंकि कुल सात कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) देने जा रही हैं। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, इन कंपनियों के शेयर 29 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच एक्स-डिविडेंड होंगे, जिसका अर्थ है कि इन तारीखों के बाद शेयर खरीदने वालों को घोषित लाभांश का लाभ नहीं मिलेगा। यह लाभांश शेयरधारकों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत बनेगा। इन कंपनियों में स्टील, गैस, आईटी सर्विसेज, टेक्सटाइल और वित्तीय सेवा क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। प्रति शेयर डिविडेंड के लिहाज से आर सिस्टम्स इंटरनेशनल सबसे आगे है, जो 8 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देगी। आगामी सप्ताह की शुरुआत 29 सितंबर को लियो ड्रायफूट्स ऐंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड के साथ होगी। इस कंपनी के शेयर शुक्रवार को एक्स-डिविडेंड होंगे। कंपनी ने 0.50 रुपए प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की घोषणा की है, और इसकी रिकॉर्ड डेट भी 29 सितंबर तय की गई है। शनिवार, 30 सितंबर को दो कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) शामिल है, जो अपने शेयरधारकों को 2.35 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी। सेल की रिकॉर्ड डेट भी 30 सितंबर है। इसी दिन सरस्वती साड़ी डिपो लिमिटेड के शेयर भी एक्स-डिविडेंड होंगे। इस कंपनी ने 3 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा की है, जिसकी रिकॉर्ड डेट 30 सितंबर निर्धारित है। अगले सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण दिन 1 अक्टूबर होगा, क्योंकि इस दिन चार कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। इनमें गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस लिमिटेड, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड और सैनिक फाइनेंस ऐंड इंडस्ट्रीस लिमिटेड शामिल हैं। गोयनका बिजनेस ऐंड फाइनेंस 0.50 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देगी, हालांकि इसकी रिकॉर्ड डेट 2 अक्टूबर है।

कार्स24 भारत में आईपीओ की तैयारी में, रिवर्स फ्लिप होगा निर्णायक कदम

सिंगापुर से भारतीय पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगले साल तक दाखिल होंगे दस्तावेज

नई दिल्ली ।

पुरानी कारों की ऑनलाइन बिक्री का अग्रणी मंच कार्स24, भारतीय शेयर बाजार में अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की दिशा में अग्रसर है। कंपनी अपनी मुख्य कॉरपोरेट संरचना को सिंगापुर से भारत स्थानांतरित करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया रिवर्स फ्लिप पूरी होने के बाद अगले साल अप्रैल तक आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल करने की पात्र हो सकती है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार, कार्स24 को सिंगापुर से 'रिवर्स फ्लिप' के लिए मंजूरी मिल चुकी है और अब भारत में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब छह से नौ महीने लगने का अनुमान है, जिससे यह अगले साल अप्रैल तक पूरी हो सकती है। इसके बाद कंपनी भारत में आईपीओ दस्तावेज दाखिल करेगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी, कीमत निर्धारण और बुक-बिल्डिंग जैसी प्रक्रियाओं में तीन से चार महीने और लग सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीओ का प्राथमिक उद्देश्य तत्काल नकदी जुटाना नहीं है, क्योंकि कंपनी के पास पर्याप्त पूंजी है (पिछला मूल्यांकन 2022 में 3.3 अरब डॉलर था)। मुख्य लक्ष्य भारत में छोटे शहरों तक पहुंच बढ़ाकर 25 से 200 शहरों तक विस्तार करना और कारोबार को 50,000 कारों तक बढ़ाना है।

साथ ही, यह खाड़ी क्षेत्र और ऑस्ट्रेलिया जैसे नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में विस्तार के लिए पूंजी तैयार करेगा। आईपीओ मौजूदा शेयरधारकों और कर्मचारियों को तरलता प्रदान करने तथा कंपनी के संचालन को वैध ठहराने का भी एक माध्यम होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में आज होगा भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला

नागोया (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को यहां रैंकिंग के आधार पर सीधे ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार हालांकि जापान की धरती पर मिलने वाली अनूठी चुनौतियों के कारण वह अफगान टीम को हल्के में नहीं लेंगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। जिस प्रकार यहां हाल ही में जापान की टीम के खिलाफ एक मैत्री मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज सानो की टर्निंग पिच पर संघर्ष करते दिखे थे।

टोक्यो से नागोया तक बुलेट ट्रेन का सफर कर पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों ने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया, जो उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा। क्रिकेट नहीं खेलने वाले देश में पहली बार खेलना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए रोमांचक अनुभव है। नागोया पहुंचने के दौरान बीसीसीआई की वेबसाइट पर श्रेयस अय्यर ने इस अनुभव को खूबसूरत बताया। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी मजबूत टीम भेजी है, जिसमें अय्यर के अलावा जसप्रीत बुमराह, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट की मौजूदा गहराई को देखते हुए, कुछ विशेषज्ञों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे, उनका मानना था कि टीम का मुख्य लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वपवर्ल्ड कप पर होना चाहिए। हालांकि, टीम का लक्ष्य स्पष्ट हैः स्वर्ण पदक से कम कुछ भी नहीं।

दूसरी ओर हाल ही में भारत दौरे में तीन मैच हारने से अफगानिस्तान की टीम का मनोबल गिरा हुआ है। इसलिए दारविश रसूली की कप्तानी में टीम नए खिलाड़ियों के थ उतरी है। इस टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर

खेलेंगे। अफगानिस्तान पहले ही टूर्नामेंट में दो मैच खेल चुका है; उसने जापान को हराया लेकिन नेपाल के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में

सभी की निगाहें 15 वर्षीय युवा प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी पर टिकी हैं, जो टीम के सबसे युवा सदस्य हैं, हालांकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें मौका मिलने की उम्मीद कम ही है। भारत को स्वर्ण पदक जीतने के लिए सिर्फ तीन जीत दर्ज करनी होगी, और टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस चुनौती के लिए तैयार है।

टीम इस प्रकार है

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, वैभव सूर्यवंशी , विपराज निगम, यश ठाकुर

अफगानिस्तान : दारविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक, इमरान मीर, नजीबुल्लाह जदरान, इस्मत आलम, करीम जनत, नागेयालिया खरोटी, अब्दुल्लाह अहमदजइ, खालिद तानीवाल, मोहम्मद अकरम, फरीदून दाउदजइ, फरमानुल्लाह सफी, हसन इसाखिल, फैसल शिनोजादा, अरब गुल मोमांद।

एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय तीरंदाजी टीमें

नगोया (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इन खेलों में शामिल भारतीय कंपाउंड और रिकर्व मिक्स्ड टीमों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनायी। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए टीम को प्रवेश मिलेगा। इससे ये और भी अहम हो जाती है।

कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने सटीक निशाने लगाते हुए राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया। इसके बाद, क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के खिलाफ मिली 159-154 की जीत के साथ ही सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की जोड़ी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में वियतनाम के खिलाफ भी 6-0 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने भी जीत के साथ सही सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा की टीम को 233-230 से हराया जबकि कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने भूटान के केजांग नोरबू, त्सेतुम गेत्शे और टंडिन दोरजी को क्वार्टर फाइनल में 235-232 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया

कुल मिलाकर, इन खेलों से ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर हैं। इनमें रिकर्व पुरुषों और महिलाओं के व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो-दो कोटा जगहें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, रिकर्व मिश्रित टीम और कंपाउंड मिर टीम चैंपियनों में से प्रत्येक को पुरुषों और महिलाओं का एक-एक कोटा मिलेगा, जिससे शीर्ष स्थान के लिए संघर्ष और बढ़ गया है।

नमन धीर एकदिवसीय डेब्यू करने वाले 264वें भारतीय खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रविवार से यहां तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू हुई। इसमें पहले ही मुकाबले में युवा ऑलराउंडर नमन धीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें भारतीय कैप सौंपी, जिसके साथ वह भारत के लिए एकदिवसीय खेलने वाले 264वें और अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले 422वें खिलाड़ी बन गए हैं।नमन को घरेलू क्रिकेट में पंजाब के लिए और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए किए गए अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में अवसर मिला है। अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। उन्होंने अब तक 14 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें 39 के औसत और 106 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 357 रन बनाए हैं। इन मैचों में उनके नाम चार अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 97 रन रहा है। वहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने सात विकेट लिए हैं। इससे उनकी ऑलराउंड क्षमता दिखती है।

भारतीय टीम चार तेज गेंदबाजों और दो ऑलराउंडरों के साथ मैदान में उतरी। कप्तान शुभमन गिल ने आगे कहा कि आगामी विश्व कप से पहले भारत के पास लगभग 20 एकदिवसीय मैच हैं, और यह समय विभिन्न संयोजनों को आज़माने और खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देने का है ताकि विश्व कप के लिए सबसे प्रभावी टीम तैयार की जा सके। इस सीरीज से भारतीय टीम के लिए आगामी बड़े टूर्नामेंटों से पहले अपनी रणनीतियों और बेंच स्ट्रेंथ को परखने का अच्छा अवसर है।

अनाहत एशियाई खेलों के फाइनल में हारी, ओलंपिक का टिकट भी हाथ से निकला

नागोया (एजेंसी)। भारत की महिला स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह को एशियाई खेलों के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के साथ ही अनाहत के हाथों से ओलंपिक में खेलने का अवसर भी निकल गया। हांगझोऊ में आयोजित इस स्पर्धा के फाइनल में 18 साल की अनाहत को मलेशिया की अनुभवी शिवसंगरी सुब्रमण्यम ने सीधे गेमों में 3-0 से हरा दिया। इससे अनाहत को रजत पदक ही मिल पाया। इस हार से अनाहत का ओलंपिक खेलने क सपना भी टूट गया। यहां स्वर्ण जीतने पर उन्हें ओलंपिक टिकट मिलत जो अब नहीं मिलेगा। स्क्वैश को पहली बार 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल किया जा रहा है, और इस ऐतिहासिक क्षण

का हिस्सा बनने का मौका अनाहत ने खो दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवसंगरी ने अपने अनुभव और सटीक रणनीति का शानदार प्रदर्शन करते हुए अनाहत पर शुरू से ही दबाव बना दिया और मैच के तीनों गेम 11-4, 11-4 और 11-7 के स्कोर से जीत लिए। अपनी आक्रामक शैली और कोर्ट पर ऊर्जा के लिए जानी जाने वाली अनाहत ने मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी के सामने अपनी लय हासिल कर वापसी के प्रयास किये पर असफल रही। । मैच के दौरान शिवसंगरी ने अनाहत को लगातार विनर्स लगाने का कोई बड़ा मौका नहीं दिया और अपनी सधी हुई खेल शैली से उन पर लगातार आक्रमण जारी रखा। इस रणनीति ने अनाहत को अपनी स्वाभाविक खेल शैली में आने का अवसर ही नहीं दिया, जिससे वह वापसी करने में विफल रहीं।

इससे पहले अनाहत ने शनिवार को जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सातोमी वातानाबे को सेमीफाइनल में हराया था। फाइनल में वह अपनी लय में नहीं दिखीं। वहीं फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ी शिवसंगरी ने अपनी रणनीति को पूरी तरह से अमल में लाया। शिवसंगरी ने अनाहत-सातोमी सेमीफाइनल को करीब से देखा था और उसी के आधार पर अपनी रणनीति बनाई, जिससे वह भारतीय खिलाड़ी को अपनी सहज खेल शैली में आने से रोकने में पूरी तरह सफल रहीं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में सिराज को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान

तिरुवनंतपुरम । भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आज से यहां शुरु हुई सीरीज के पहले ही मैच में कई बदलाव कर सभी को हैरान कर दिया। भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान रह गये। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की वापसी से उन्हें कुछ राहत मिली। कई विश्लेषकों का मानना था कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण संभालेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल दो ही मुख्य तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार के साथ मैदान में उतरी है। प्रसिद्ध कृष्णा के पास 28 एकदिवसीय मैचों का अनुभव है पर युवा गुरनूर बरार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 6 ही मुकाबले खेले हैं, जिससे उनका अनुभव काफी कम है। वहीं, 50 एकदिवसीय मैचों का अनुभव रखने वाले सिराज को जगह नहीं मिली। टीम के पास तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में ऑलराउंडर नीतिश कुमार रेड्डी भी हैं। इस मुकाबले में एक और बड़ा फैसला पंजाब के युवा खिलाड़ी नमन धीर को भारतीय टीम में पदार्पण का मौका देना रहा। यह नमन के लिए किसी भी प्रारूप में भारत की तरफ से पहला मैच है।

एशियन गेम्स 2026 : हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। महिलाओं की 200 मीटर फाइनल रेस में हरिता ने 23.20 सेकंड का समय निकाला और तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

200 मीटर फाइनल में हरिता का कमाल– हरिता भद्रा ने एशियन गेम्स 2026 की महिलाओं की 200 मीटर फाइनल स्पर्धा में हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी रेस को 23.20 सेकंड में पूरा किया। इस समय के साथ हरिता ने पोडियम पर जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारत के खाते में आया एथलेटिक्स मेडल–हरिता भद्रा का यह प्रदर्शन एशियन गेम्स 2026 में भारत के एथलेटिक्स अभियान के लिए महत्वपूर्ण रहा। महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने पत्नी संग बाबा महाकाल के दर्शन किए, भस्म आरती को बताया दिव्य अनुभव

उज्जैन । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने अपनी पत्नी प्रियंका रैना के साथ आज उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किये। दोनों ने मंदिर में आयोजित सुबह की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। उनके साथ प्रियंका के भाई विवेक और उनकी पत्नी स्नेहा भी मौजूद थीं, जिन्होंने परिवार सहित इस पावन अवसर का लाभ उठाया। भस्म आरती के दौरान पूरा परिवार

भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ नजर आया। भस्म आरती संपन्न होने के बाद रैना ने अपने इस आध्यात्मिक अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें जय श्री महाकाल का उद्घोष करते हुए बहुत अच्छा लगा और उन्होंने दर्शन का भरपूर आनंद लिया। रैना ने मंदिर प्रबंधन और यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट और दर्शनार्थियों की सुविधा संभालने वाले सभी लोगों ने बेहद व्यवस्थित और प्रभावशाली तरीके से इंतजाम किए हैं।

रैना ने महाकाल की पूजा संपन्न कराने वाले पुजारियों की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की। रैना ने बताया कि पुजारियों ने ऐसा आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल बनाया कि वहां उपस्थित सभी भक्तगण भगवान महाकाल की भक्ति में पूरी तरह डूब गए। उन्होंने पुजारियों और मंदिर प्रबंधन का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि हमने अच्छे तरह दर्शन किये। पूजा भी काफी अच्छे से हुई। साथ ही कहा कि जितने भी लोग यहां पर दर्शन करने आए हैं, उनके लिए काफी अच्छी सुविधा उपलब्ध है। और उससे बढ़िया महाकाल की पूजा में जितने भी हमारे पुजारी थे, उन्होंने सभी कुछ अच्छे से कराया, सब लोगों का आशीर्वाद मिला, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में भारत के अभय सिंह को रजत

नगोया (एजेंसी)। भारत के अभय सिंह को एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक मिला है। स्क्वैश के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में अभय को मलेशिया के एनग ईन यो के हाथों 9-11, 5-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही एनग ईन यो ने अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा।

इन खेलों में भारत को अब मुक्केबाज में एक कांस्य मिलना तय है जबकि तीरंदाजी और एथलेटिक्स में कई खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे है और इससे भारत को अभी और पदक मिलेंगे।

मुक्केबाजी में अंकुश पंघाल को पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कांस्य पदक मिलना तय है। वहीं तीरंदाजी में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। जिससे वहां भी पदक तय है।

400 मीटर बाधा दौड़ में विथ्या रामराज (55.73 सेकंड, एसबी) और अनु राघवन (55.84 सेकंड, पीबी) दोनों अपनी-अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में पहुंचीं। वहीं, संतोष कुमार तमिलरासन ने भी पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में 49.61 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। सर्फिंग में कमाली प्रकाश, शुगर शांति गायेन और शिवराज बाबू ने अपने-अपने इवेंट के राउंड 3 के लिए क्वालिफाई किया, जबकि तलवारबाजी में भारतीय महिला टीम ने इंडोनेशिया को 45-23 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई और फिर आगे बढ़कर अपनी स्थिति मजबूत की।

वहीं बैडमिंटन में अनुभवी खिलाड़ी पीवी सिंधु महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की चेन यू फेई के हाथों हार के साथ ही पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। इसके अलावा उभरती हुई

खिलाड़ी उन्नति हुड्डा भी क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े मुकाबले में हार गईं। युगल स्पर्धाओं में भी गायत्री गोपीचंद/ट्रेसा जॉली (महिला युगल) और तनीषा क्रास्टो/ध्रुव कपिला (मिश्रित युगल) अपने क्वार्टर फाइनल मैचों से बाहर हो गए। निशानेबाज में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के प्रिसिजन क्वालीफायर के बाद मनु भाकर 16वें और राही सरनोबत 15वें स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने छठे स्थान के साथ चुनौती बनाए रखी।

जापान के कोच बोले, देश में कबड्डी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही

बैंकाक । थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि अब देश में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का कबड्डी में पहला पदक है। थाई कोच शेट्टी भारत के हैं और उनका मानना है कि इस पदक से साफ है थाईलैंड में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। थाई टीम को जापान के नगोयो में हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम के हाथों से 28-66 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद थाई टीम को कांस्य मिला है। भारतीय टीम ने इस मैच में अपना प्रभाव बनाये रखा, हाफ-टाइम तक टीम ने 37-18 की मजबूत बढ़त ली और अंत में 66-28 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की की। भारतीय टीम ग्रुप-ए में अपने सभी चार मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। पिछले तीन साल से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे शेट्टी ने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहाँ बिल्कुल शून्य से काम शुरू किया था। उन्होंने कहा, मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं और थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है। रवींद्र ने बताया कि थाईलैंड में जमीनी स्तर पर कबड्डी के विकास ने गति पकड़ी है, खासकर स्कूली प्रतियोगिताओं और युवा कार्यक्रमों के माध्यम से। उन्होंने कहा, अभी, स्कूली स्तर पर कबड्डी शुरू हो रही है। हमारे अध्यक्ष हर चार महीने में युवा खेल आयोजित करते हैं। इसी वजह से कबड्डी का विकास हो रहा है। कोच ने यह भी बताया कि उनकी अकादमी में अभी 60 से ज्यादा युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें 35 लड़कियां और 30 लड़के शामिल हैं, जो थाईलैंड के अलग-अलग हिस्सों जैसे बैंकॉक, चोनबुरी और अन्य राज्यों से प्रशिक्षण के लिए आते हैं।

पीटरसन एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड के विशेष सलाहकार बने

लंदन(एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन को टीम का विशेष सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी पर नजर रखेंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, पीटरसन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली छह मुकाबलों की श्रृंखला से टीम के साथ जुड़ेंगे। इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के दौरों पर भी टीम के साथ काम करेंगे। विश्व कप से पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में भी उनकी भूमिका जारी रहेगी।माना जा रहा है कि ने ईसीबी ने पीटरसन को जिम्मेदारी देने के पीछे दक्षिण अफ्रीका में उनके अनुभव को भी अहम कारण बताया है। पीटरसन का जन्म और पालन-पोषण दक्षिण अफ्रीका में हुआ है और अगला 50 ओवर का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। ऐसे में वहां के हालातों और क्रिकेट माहौल की उनकी समझ इंग्लैंड के लिए उपयोगी मानी जा रही है।

पीटरसन इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के साथ सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। 2023 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान वह कुछ समय के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों के साथ भी काम कर चुके हैं। हालांकि, 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदाई के बाद उनका ज्यादातर समय प्रसारण और क्रिकेट विश्लेषण में बीता है।दिलचस्प बात यह है कि पीटरसन पिछले कुछ समय में इंग्लैंड की टीम व्यवस्था के आलोचक भी रहे हैं। 2025 की शुरुआत में भारत दौरे के दौरान उन्होंने टीम के अभ्यास और ट्रेनिंग के तरीके पर सवाल उठाए थे। पीटरसन ने इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान हैरी ब्रुक को लेकर भी पहले निराशा जताई थी।

वेस्टइंडीज बोर्ड ने खिलाड़ियों की अनुबंध फीस घटायी

जमैका । क्रिकेट वेस्टइंडीज बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अनुबंध फीस 25 फीसदी कम कर दी है। बोर्ड के अनुसार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सालाना अनुबंध मिलता रहेगा पर उनकी तय फीस पहले के मुकाबले 25 फीसदी कम होगी। वहीं घरेलू खिलाड़ियों को भी अब सात महीने को ही अनुबंध मिलेगा। पैसे की कमी के कारण ही बोर्ड ने पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताएं रोक दी हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस डियरिंग ने कहा कि खिलाड़ियों और वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन ने वर्तमान हालातों को समझते हुए सहयोग किया है। उन्होंने माना कि फीस में कटौती सही नहीं कही जा सकती पर इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं है। बोर्ड के अनुसार पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताओं को इसलिए आयोजित नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि इन्हें आयोजित करने पर काफी खर्च आता है। गौरतलब है कि सुपर50 वेस्टइंडीज की पुरुष एकदिवसीय टीम तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों के लिए अहम मंच रहा है। ऐसे में इसका रुकना विकास और चयन प्रक्रिया पर भी असर डाल सकता है। वहीं अनुबंध राशि कम होने से टीम के अच्छे खिलाड़ी अब विदेशी लीग की तरह भाग सकते हैं। पहले ही उसके कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम को छोड़कर दुनिया भर की लीग में खेलते हैं। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज को फरवरी-मार्च 2027 में एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर खेलना है। टीम 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में जगह नहीं बना सकी थी। अब बोर्ड का कहना है कि उसका ध्यान पुरुष टीम को इस क्वालीफायर के लिए तैयार करने पर रहेगा।

सायना ने ट्राईसिटी मैराथन के अवसर पर फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश दिया

बोलीं खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की जरुरत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने रविवार को फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश देने वाली 'एसके ट्राईसिटी मैराथन' को रवाना किया है। इस भव्य आयोजन में करीब 8,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल फ्रॉड और नशे के खिलाफ अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सायना ने देश को एक खेल राष्ट्र बनाने की अपनी परिकल्पना साझा की। उन्होंने कहा कि यदि भारत को जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों से खेल में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हर किसी को अपनी फिटनेस पर जोर देना होगा। सायना ने युवाओं से कहा है कि कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों को दें, क्योंकि भारत के भविष्य का निर्माण एक स्वस्थ और ऊर्जावान पीढ़ी ही कर सकती है। उन्होंने खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि कि मैराथन केवल दौड़ने का एक आयोजन भर नहीं था, बल्कि यह समाज में व्याप्त कुछ गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को सचेत करने का एक मंच भी था। इस दौरान धावकों ने अपनी ऊर्जा और भागीदारी के माध्यम से जहां एक ओर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया, वहीं दूसरी ओर डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रहने और नशे से दूर रहने का स्पष्ट संदेश भी दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम भी उत्साहवर्धक रहे, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पुरुषों की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में यश राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 घंटा 9 मिनट 5 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद एल/नायक शिवनेश सिंह ने 1 घंटा 24 मिनट 1 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और प्रिंस सांगवान ने 1 घंटा 28 मिनट 39 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं महिलाओं की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में मनदीप कौर ने 1 घंटा 39 मिनट 31 सेकंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस वर्ग में पूजा पांडे ने 1 घंटा 48 मिनट 36 सेकंड के साथ दूसरा और अमनप्रीत कौर ने 2 घंटा 8 मिनट 29 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं, 10 किलोमीटर महिला दौड़ में मुस्कान ने 42 मिनट 38 सेकंड का प्रभावशाली समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। सीता ने 43 मिनट 35 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और खुशी ने 45 मिनट 53 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान: पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने 27 सितंबर का विशाल मार्च स्थगित किया

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने इस्लामाबाद तक अपने विरोध मार्च को चार अक्टूबर तक स्थगित करने का फैसला किया है. पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पार्टी संस्थापक खान की रिहाई के लिए सरकार पर दबाव बनाने के उद्देश्य से 27 सितंबर को राजधानी की ओर विशाल मार्च निकालने की घोषणा की थी. हालांकि, सरकार की ओर से विरोध प्रदर्शन रोकने के लिए उठाए गए कड़े कदमों के कारण पार्टी ने इसे टालने का फैसला किया. इमरान खान (73) को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 2023 में गिरफ्तार किया गया था. वह रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं. पार्टी सूत्रों ने बताया कि विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का फैसला एक बैठक में लिया गया और इसकी औपचारिक घोषणा खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी करेंगे. सूत्र ने कहा, 'विरोध प्रदर्शन 27 सितंबर के बजाय चार अक्टूबर को शुरू किया जाएगा.' इससे पहले दिन में अफरीदी ने पेशावर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि सड़कें बंद किए जाने और अन्य उपायों के बावजूद इस्लामाबाद के लिए प्रस्तावित लंबा मार्च जारी रहेगा. पीटीआई पार्टी नीत खैबर पख्तूनख्वा सरकार का नेतृत्व कर रहे अफरीदी ने कहा, 'हमारा विशाल मार्च निश्चित रूप से होगा. इस बार हम निश्चित रूप से बाहर निकलेंगे।

जयशंकर का पाकिस्तानी पत्रकार पर तंज :कहा- अब आतंकी देश मुझसे सवाल पूछेगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को एक पाकिस्तानी रिपोर्टर पर तंज कसा। रिपोर्टर ने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इस पर जयशंकर ने कहा, 'एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है।' रिपोर्टर के सवाल का जवाब देने के बाद वे मुस्कुराए और वहां से निकल गए। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारत की विदेश नीति, वैश्विक सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई पर बातचीत हो रही थी। इससे पहले दिसंबर 2022 में न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी पत्रकार ने जयशंकर से पूछा था कि दक्षिण एशिया आखिर कब तक भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवाद का सामना करता रहेगा।

गंडक नदी में तेजी से बढ़ रहा पानी, नेपाल में भारी बारिश की चेतावनी के बाद निचले इलाकों में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार से रविवार तक देश के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके चलते कोसी बैराज और गंडक नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आपदा की आशंका को देखते हुए नेपाली सेना और पुलिस ने तटीय इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है। नेपाल के तराई क्षेत्रों और बिहार के बगहा इलाके में पिछले 24 घंटे से बारिश जारी है। लगातार बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। निचले इलाकों में रहने वाले ग्रामीण नदी के बहाव पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। बारिश का दौर जारी रहने से तटीय बस्तियों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। कोसी बैराज में पानी का बहाव अत्यधिक बढ़ने के बाद 31 गेट खोल दिए गए हैं। सुनसरी के प्रमुख अधिकारी ईश्वरी प्रसाद अर्याल के अनुसार 240000 क्यूसेक पानी दर्ज हुआ है। हालांकि स्थिति अभी नियंत्रण में है और कोसी पुल पर यातायात नहीं रोका गया है। जलस्तर में और इजाफा होने पर स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक फैसले लिए जाएंगे। भारी बारिश के चलते धाडिंग जिले में भूस्खलन से पृथ्वी राजमार्ग सात स्थानों पर प्रभावित हुआ है। कृष्णभीर और तिग्रांग खोला में सड़क पूरी तरह बंद हो गई है और मलबा हटाया जा रहा है। चितवन जिले में नारायणगढ़-मुगलिन सड़क को भी खतरे के कारण बंद कर दिया गया है। राजमार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई अचानक बाढ़ में भारी तबाही हुई थी। उस विनाशकारी आपदा में 1450 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5600 लोग लापता हैं।

अमेरिका के 22 राज्यों ने 1,00,000 डॉलर की एच-1बी फीस का विरोध किया

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के 22 अटॉर्नी जनरल के एक समूह ने ट्रंप प्रशासन के उस प्रस्ताव का विरोध किया है, जिसमें कुछ एच-1बी वीजा याचिकाओं पर 100,000 डॉलर से ज्यादा की फीस लगाने की बात कही गई है। उनका तर्क है कि यह कदम गैर-कानूनी है और इससे शिक्षकों, डॉक्टरों और नर्सों की कमी और बढ़ जाएगी। यह उन भारतीय प्रोफेशनल्स और अमेरिकी कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती है जो बहुत कुशल कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए एच-1बी प्रोग्राम पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल जे जोन्स ने एक औपचारिक कमेंट लेटर दाखिल करने के लिए गठबंधन में शामिल होकर यूएस सिटीजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) से प्रस्तावित नियम को वापस लेने की मांग की।

एजेंसी ने 25 अगस्त को प्रस्तावित नियम बनाने का नोटिस जारी किया था। इससे उन एम्प्लॉयर्स द्वारा दायर याचिकाओं पर 103,265 डॉलर का शुल्क लगेगा जिन्हें सालाना एच-1बी वीजा कैप से छूट प्राप्त नहीं हैं। अटॉर्नी जनरल्स ने प्रस्तावित शुल्क को टैक्स बताया। उन्होंने तर्क दिया कि एग्जीक्यूटिव ब्रांच कांग्रेस की मंजूरी के बिना ऐसा टैक्स नहीं लगा सकती।

गठबंधन ने यह भी कहा कि यह

नियम इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट के तहत यूएससीआईएस के अधिकार क्षेत्र से बाहर होगा और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट का उल्लंघन करेगा। अटॉर्नी जनरल्स के अनुसार, प्रशासन उस बोझ को सही ठहराने में विफल रहा है जो प्रस्तावित शुल्क राज्यों पर डालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूएससीआईएस ने कम नुकसानदायक विकल्पों पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया। गठबंधन ने 30-दिन के पब्लिक कमेंट पीरियड पर एतराज जताया, और इसे बहुत कम और ठीक नहीं बताया।

अटॉर्नी जनरल्स ने कहा कि प्रस्तावित शुल्क से राज्य और स्थानीय संस्थानों के लिए कुशल विदेशी प्रोफेशनल्स को काम पर रखना और मुश्किल हो सकता है। उन्होंने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य जरूरी सेवाओं में कमी का हवाला दिया। जोन्स ने कहा, 'इस श्रेणी के लोग कागजों पर सिर्फ नाम नहीं हैं, वे हमारे शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, देखभाल करने वाले और बहुत कुछ हैं। वे हमारे पड़ोसी, दोस्त और परिवार हैं।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने यहां आने और 'अमेरिकन ड्रीम' का हिस्सा बनने के लिए हर फॉर्म भरा है और सरकार की हर मांग को पूरा किया है। '

जोन्स ने प्रशासन पर समुदायों और सार्वजनिक सेवाओं पर पड़ने वाले असर पर पर्याप्त रूप से विचार किए बिना अपने एग्जीक्यूटिव अधिकार का विस्तार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप एग्जीक्यूटिव पावर की सीमाओं को आगे बढ़ाकर दरवाजा बंद करने की कोशिश कर रहे हैं, और उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि यह प्रस्तावित नियम वर्जीनिया के लोगों पर क्या बोझ डालेगा। यहां वर्जीनिया में, हम अपने समुदायों के लिए लड़ते हैं, और मेरा ऑफिस यह सुनिश्चित करने के लिए हर कानूनी साधन का इस्तेमाल करेगा कि यह प्रस्ताव आगे न बढ़े। '

गठबंधन ने कहा कि पिछली बार प्रशासन ने ऐसा ही शुल्क लगाने की कोशिश की थी जिसे रद्द कर दिया गया था। इसमें कहा गया है कि नया प्रस्ताव कांग्रेस से मंजूरी लेने के बजाय, एक बार फिर प्रशासनिक कार्रवाई के जरिए टैक्स लगाने की कोशिश करता है। वर्जीनिया के अलावा, इस गठबंधन में कैलिफोर्निया, मैसाचुसेट्स, एरिजोना, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, हवाई, इलिनोइस, मेन, मैरीलैंड, मिशिगन और मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल भी शामिल हैं। इसमें नेवाडा, न्यू जर्सी, न्यू मैक्सिको, न्यूयॉर्क, नॉर्थ कैरोलिना, ओरेगन, वॉशिंगटन, विस्कॉन्सिन और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया भी शामिल हैं। एच1बी प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को ऐसे खास कामों के लिए विदेशी कर्मचारियों को काम पर रखने की इजाजत देता है, जिनके लिए आम तौर पर खास जानकारी और कम से कम बैचलर डिग्री या उसके बराबर की योग्यता की जरूरत होती है। टेक्नोलॉजी कंपनियां इसके सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से हैं, लेकिन अस्पताल, स्कूल, यूनिवर्सिटी और रिसर्च संस्थान भी एच-1बी प्रोफेशनल्स को काम पर रखते हैं।

बांग्लादेश में बेकाबू होती नाबालिग हिंसा, गैंग कल्चर और सोशल मीडिया ने बढ़ाई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में नाबालिग बच्चों और किशोरों में बढ़ती हिंसक घटनाओं ने देश को चिंतित कर दिया है। कुमिल्ला जिले में 13 वर्षीय मासूम बच्चे इशायात शाहरीआर अप्रतीम की नृशंस हत्या के बाद सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठे हैं। द बिजनेस स्टैण्डर्ड की रिपोर्ट के अनुसार इस वारदात ने किशोर अपराध की भयावह स्थिति को उजागर कर दिया है। इस घटना के बाद देश भर में बच्चों की सुरक्षा, पारिवारिक माहौल और कानून व्यवस्था की सीमाओं पर चर्चा छिड़ गई है।

गैंग कल्चर और सोशल मीडिया का घातक प्रभाव : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल ढाका के डॉक्टर हेलाल उद्दीन अहमद ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि किशोरों में हिंसक गैंग कल्चर बहुत तेजी से फैल रहा है और यह गंभीर रूप ले रहा है। टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस आक्रामक व्यवहार को बढ़ावा दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर 'कूल' दिखने और जल्दी नाम कमाने के चक्कर में किशोर खतरनाक हिंसक वीडियो बना रहे हैं। इन वीडियो के जरिए ध्यान खींचने की कोशिश बच्चों को गंभीर अपराध के रास्ते पर धकेल रही है। बच्चों में बढ़ रही यह आक्रामक प्रवृत्ति न केवल उनके भविष्य बल्कि पूरे समाज के लिए खतरा बन चुकी है। केवल पुलिस की सख्ती और दंडात्मक कार्रवाई से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल पर विशेष ध्यान देना होगा। गरीबी, बाल श्रम और सामाजिक ढांचे की असफलता ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आई महबूब उद्दीन अहमद के मुताबिक गरीबी और बेरोजगारी मुख्य कारण हैं। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की बढ़ती संख्या, बाल श्रम और बाल विवाह जैसी कुरीतियां सामाजिक नाकामी दर्शाती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे उचित मार्गदर्शन न मिलने पर असामाजिक तत्वों के बहकावे में आ जाते हैं। जब बच्चों को पढ़ाई और विकास के अवसर नहीं मिलते, तो वे आसानी से अपराध की राह पर चले जाते हैं।

ढाका विश्वविद्यालय के अपराध विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रेजाउल करीम शोहाग ने भी इस पर बात की। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मनोरंजन और खेलकूद के स्थानों की कमी बच्चों को भटकाने का बड़ा कारण है। सरकार को उन आर्थिक और सामाजिक कारणों को खत्म करना होगा जो बच्चों को आपराधिक गिरोहों में धकेलते हैं। गरीबी मिटाने और स्कूल ड्रॉपआउट रोकने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस योजनाएं लागू करना बेहद जरूरी है। शोधकर्ता शाहजेब महमूद ने बांग्लादेश की वर्तमान किशोर न्याय व्यवस्था की कमियों को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश में नाबालिगों के लिए पर्याप्त सुधार गृह और पुनर्वास केंद्र उपलब्ध नहीं हैं।

चीन और अमेरिका की दोस्ती बनेगी बेमिसाल? जिनपिंग ने दिया न्योता, तो बोले ट्रंप-हम जल्द आएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन की अपनी राजकीय यात्रा शुक्रवार को खत्म करते हुए चीनी नेता शी जिनपिंग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी दो और बार मुलाक़ात होगी। शी ने ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया को नवंबर में चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट में आने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि वे एक महीने बाद फ्लोरिडा में ट्रंप नेशनल डोरल मियामी गोल्फ क्लब में होने वाले ज20 समिट में फिर से मिल सकते हैं। शी ने कहा, 'मैं राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी का चीन आने पर स्वागत करूंगा।' ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम ज़रूर आएंगे, और हम बहुत बातचीत करेंगे।'

ईरान को लेकर भी हुई बात : डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वाशिंगटन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई बातचीत में ईरान से जुड़े विवाद पर भी चर्चा हुई। ट्रंप से जब होर्मुज से शिपिंग बहाल करने की कोशिशों के बारे में भी सवाल पूछा गया, जो वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए एक अहम रास्ता है। ट्रंप ने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा करेंगे। शुक्रवार को ट्रंप, शी को नेशनल आर्काइव्ज़ ले गए और दुनिया के सबसे ताकतवर कम्युनिस्ट देश के नेता को अमेरिकी लोकतंत्र के अहम दस्तावेज़ दिखाए। ट्रंप ने बताया कि यहीं पर 'डिक्लेरेशन ऑफ़ इंडिपेंडेंस', संविधान और 'बिल ऑफ़ राइट्स' रखे गए हैं। ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि वह चीन राष्ट्रपति शी को 'उस गौरवशाली इतिहास की कुछ बेहतरीन निशानियां' दिखाना चाहते हैं।

शी जिनपिंग का दौरा ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका अपनी स्थापना की 250वीं वर्षगांठ मना रहा है और ट्रंप उन्हें नेशनल आर्काइव्स ले गए, जहां अमेरिका की स्थापना की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर 'द अमेरिकन स्टोरी' नाम की एक खास प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें देश की उपलब्धियों और तरक्की के साथ-साथ मुश्किल दौर की तस्वीरें भी दिखाई गई हैं। देश के अहम दस्तावेज़ों के इस संग्रह का दौरा करने के बाद शी वॉशिंगटन से रवाना हो गए।

ट्रंप ने ठुकराया तेहरान का प्रस्ताव, नवंबर चुनाव के बाद दोबारा हमले के संकेत

वाशिंगटन , एजेंसी। एक ऐसी घटनाक्रम में जिससे दुनिया और पश्चिम एशिया में बेचैनी बढ़ सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने खबर दी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

रिपोर्ट में क्या दावा किया गया है : अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई इस रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सहयोगियों से कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर बमबारी फिर से शुरू की जाएगी। यह कदम इस हफ्ते की शुरुआत में यूएन जनरल असेंबली में दिए गए उनके भाषण के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने ईरान को पूरी तरह खत्म करने की खुली धमकी दी थी।

ट्रंप ने असेंबली में क्या कहा था : उन्होंने 22 सितंबर को असेंबली में कहा, 'मुझे

एक बड़ा फैसला लेना है। क्या ईरान के साथ कोई ऐसा समझौता होगा जिससे वे फिर से अपना देश बना सकें और उसे पहले से कहीं ज्यादा बेहतर और मजबूत देश बना सकें? शायद पश्चिम एशिया या दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में से एक। या फिर मैं इस्लामिक रिपब्लिक को पूरी तरह खत्म कर दूं। वह भी जल्दी, ताकि उन्हें दोबारा लोगों और देशों को मारने और बर्बाद करने का मौका ही न मिले? लेकिन मुझे लगता है कि चुनाव के ठीक बाद हम समझौता कर लेंगे, क्योंकि उनके लिए समझौता न करने का कोई मतलब नहीं बनता।

ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने क्या कहा : वहीं, गुरुवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने कहा कि ईरान ने पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए सात दिन का प्लान पेश किया है। इस प्लान का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और उसके बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर व्यापक बातचीत शुरू करना भी है। अरागची ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पत्रकारों से कहा कि यह प्रस्ताव उसी समझौता ज्ञापन जैसा है, जिस पर इस साल जून में अमेरिका और ईरान के बीच सहमति बनी थी। वहीं, जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ अपनी बैठक में, अरागची ने जोर देकर कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी उचित शर्तें और जरूरतें अमेरिकी पक्ष को बता दी हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि क्षेत्र में सुरक्षा बहाल करने के लिए ईरान के खिलाफ अमेरिका की दखलंदाजी और आक्रामक कार्रवाइयों को रोकना जरूरी है। ईरान के विदेश मंत्री ने अपने शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को लेकर कूटनीति अपनाने के ईरान के संकल्प पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान ईरान की नेक नीयत को कोई भी पक्ष नजरअंदाज नहीं कर सकता। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बातचीत के बीच ही अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता दिखाई, जबकि वे होर्मुज जलडमरूमध्य में असुरक्षा के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराते रहे।

शहबाज ने यूएन में भारत को जंग की धमकी दी:कहा- सिंधु के पानी को रोकने की गलती न करें; कश्मीर को गले की नस बताया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को यूएन में भारत को जंग की धमकी दी। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। शहबाज ने कहा कि पानी को कभी हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत को इसे लेकर कोई गलती नहीं करनी चाहिए। शहबाज शरीफ ने यूएन में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए जगलर वेन (गर्दन की नस) है। गर्दन की नस शरीर की अहम हिस्सा है। इसके कटते ही इंसान की मौत हो जाती है। यूएनजीए में शहबाज शरीफ के दावों का भारतीय अधिकारी पेटल गहलोत ने राइट ऑफ रिप्लाई के तहत जवाब दिया। गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान साल-दर-साल झूठ दोहराकर उसे सच नहीं बना सकता।

पहलगाम हमले और भारत-पाकिस्तान संघर्ष का जिक्र : शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने फील्ड मार्शल आसीम मुनीर के नेतृत्व में सटीक जवाब दिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि मई 2025 में दोनों देशों के बीच तनाव कम कराने और युद्ध जैसी स्थिति टालने में उनकी भूमिका अहम रही। शहबाज ने कहा कि ट्रम्प की कोशिशों से बड़ा टकराव टल गया। इसका 87 सेकेंड का वीडियो ट्रम्प ने शुक्रवार को बिना किसी टिप्पणी के ट्रुथ सोशल पर शेयर किया। शहबाज ने यह भी कहा कि दक्षिण एशिया में फिर से ऐसे हालात नहीं बनने चाहिए। उनके मुताबिक, इसके लिए कश्मीर मुद्दे का समाधान जरूरी है। शहबाज ने कहा कि पिछले साल भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद भारत ने इस संधि को एकतरफा रोक दिया, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। शहबाज ने दावा किया कि यूएन के विशेषज्ञों और स्थायी मध्यस्थता अदालत ने भी इस मामले में भारत के दावों और कदमों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि इससे पाकिस्तान का रुख सही साबित हुआ है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी थी। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत का आरोप है कि हमले में शामिल आतंकियों को पाकिस्तान का समर्थन था। शहबाज शरीफ ने दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को नफरत भरी बयानबाजी, भेदभाव और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। मस्जिदों पर हमले और कुरान के अपमान की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। भारत का जिक्र करते हुए शहबाज ने आरोप लगाया कि सीमा पार आरएसएस से प्रभावित विचारधारा धार्मिक नफरत को बढ़ावा दे रही है।

ओपनएआई की फिर से मनमानी: अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों को बनाया निशाना

कैलिफोर्निया, एजेंसी। ओपनएआई का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनियंत्रित हो गया और लैब की जानकारी के बिना अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में दखल दे दिया। यह जानकारी न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार है।

किन विभाग के वेबसाइट को बनाया निशाना : सुरक्षा शोधकर्ताओं और इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति का हवाला देते हुए, न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस गर्मी में एआई लैब की जानकारी के बिना शिक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग और प्रतिभूति और विनिमय आयोग की वेबसाइटों को निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वाणिज्य विभाग और एसईसी से जुड़ी घटना की पुष्टि ओपनएआई ने की है, जिसने कहा कि वह स्थिति की जांच जारी रखे हुए है। इस बीच, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि कंपनी उन एजेंट्स के इस्तेमाल के तरीकों की समीक्षा कर रही है, जिन्हें इंटनेट का एक्सेस मिलता है, लेकिन यह काम उतनी तेजी से नहीं हो रहा है जितनी तेजी से वे चाहते थे।

पारदर्शिता पर क्या बोले ऑल्टमैन : ऑल्टमैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,'हमारे एजेंट्स के ट्रेनिंग और इवैल्यूएशन के दौरान इंटरनेट इस्तेमाल को लेकर एक बड़ी और लगातार चलने वाली समीक्षा हो रही है। हम नीचे दिए गए लिंक पर इसकी समरी पब्लिश करते रहे हैं। आगे भी करते रहेंगे। हम उतनी तेजी से काम नहीं कर पाए हैं जितनी हमारी इच्छा थी, लेकिन हम पारदर्शिता बनाए रखने और एजेंट्स की एक्टिविटी के पेटाबाइट्स डेटा से साफ समझ बनाने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही प्रभावित संगठनों के साथ भी काम कर रहे हैं। हम गंभीरता के आधार पर प्राथमिकता तय कर रहे हैं और रिसोर्स भी बढ़ा रहे हैं। अब तक हमने जो घटनाएं देखी हैं, उनमें 'हगिंग फेस' वाली घटना सबसे गंभीर है। हम जितनी हो सके उतनी पारदर्शिता बरतेंगे, लेकिन इसमें कुछ सीमाएं भी होंगी, जैसे कि दूसरी कंपनियों में हमारे एजेंट्स को मिली कमजोरियां इनके बारे में जानकारी सार्वजनिक करनी है या नहीं। यह उन कंपनियों का फैसला होगा।

जांच किन मामलों पर केंद्रित है : ओपनएआई ने कहा, 'हमारी जांच उन मामलों पर केंद्रित है जहां एजेंट ने थर्ड-पार्टी वेबसाइटों के साथ ऐसे तरीके से इंटरैक्ट किया जो उनके सौंपे गए कामों या तय तरीकों से अलग थे। अब तक पहचाने गए ज्यादातर मामले कम गंभीरता वाले रहे हैं, जिनमें थर्ड-पार्टी सर्विस पर किसी खास असर का बहुत कम या कोई सबूत नहीं मिला है। कंपनी ने आगे कहा कि वह उन मामलों में थर्ड-पार्टी को सूचित कर रही है जहां एआई मॉडल ने शायद किसी थर्ड-पार्टी के सिक्योरिटी कंट्रोल को बायपास किया हो या किसी ऑनलाइन सर्विस की उपलब्धता को प्रभावित किया हो, या ऐसे मामले जिनमें थर्ड-पार्टी वेबसाइटों पर बुरा असर पड़ा हो। ओपनएआई ने कहा, 'अब तक की हमारी समीक्षा के आधार पर, हमने ऊपर बताए गए मानदंडों का इस्तेमाल करके दर्जनों थर्ड-पार्टी को सूचित किया है।

कांगो में विमान हादसे में 14 लोगों की मौत, सैन्य न्याय व्यवस्था के दो बड़े अधिकारी भी मारे गए

केंजे , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में शुक्रवार, 25 सितंबर को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में देश की सैन्य न्याय व्यवस्था के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। कांगो की सेना के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोगों की इस हादसे में जान चली गई।

हादसा राजधानी किन्शासा से करीब दक्षिण-पश्चिम में स्थित केंजे शहर में हुआ। विमान पड़ोसी क्विलू प्रांत के किक्विट से किन्शासा लौट रहा था। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद विमान ने केंजे शहर के ऊपर कई चक्कर लगाए और सुरक्षित उतरने की कोशिश की। लेकिन शहर में कोई रनवे नहीं होने के कारण विमान एक रिहायशी इलाके में जा गिरा।

दुर्घटना में सेना के कई अन्य सदस्यों ने भी गंवाई जान : कांगो की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल एफोमी एकेंगे ने बताया कि विमान हादसे के मृतकों में लेफ्टिनेंट जनरल मुतोंबो काटलायी तिएंदे और लेफ्टिनेंट जनरल बाकुमी लिकुलिया भी शामिल हैं। तिएंदे सैन्य अदालत के प्रमुख थे, जबकि लिकुलिया सशस्त्र बलों के ऑडिटर जनरल थे। उनके अलावा सैन्य प्रतिनिधिमंडल के कुछ अन्य

सदस्य और विमान के चालक दल के लोग भी मारे गए। विमान के संचालन को लेकर स्थानीय रिपोर्टों में ट्रैसेप कंपनी और लेट एल-410 विमान का नाम सामने आया है। हालांकि, विमान में सवार लोगों और मृतकों की संख्या को लेकर शुरुआती रिपोर्टों में अलग-अलग आंकड़े दिए गए। स्थानीय अधिकारियों ने पहले 13 लोगों की मौत की जानकारी दी थी। बाद में प्रांतीय प्रशासन ने मृतकों की संख्या 17 बताई। इनमें 13 सैन्यकर्मी और चार नागरिक बताए गए। इसी वजह से अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में फिलहाल मृतकों की संख्या अलग-अलग बताई जा रही है। कई रिपोर्टों में 14 मौतों का आंकड़ा प्रमुखता से सामने आया है। कांगो के अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया गया है और दुर्घटना की वजह पता लगाने के लिए तकनीकी और सुरक्षा एजेंसियों की टीमें जांच कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, उस समय तक विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद नहीं हुआ था। यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब कांगो पहले से ही गंभीर सुरक्षा संकट से जूझ रहा है। देश की सेना खासकर पूर्वी हिस्से में कई हथियारबंद गुटों से लड़ रही है। इनमें रवांडा समर्थित एम23 विद्रोही गुट भी शामिल है। पिछले साल से जारी संघर्ष के दौरान इस गुट ने पूर्वी कांगो के कई अहम शहरों पर कब्जा कर लिया है। इससे इलाके में सुरक्षा की स्थिति और खराब हुई है। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताई है। विमान दुर्घटना की असली वजह क्या थी, यह जांच पूरी होने के बाद ही साफ हो सकेगा। कांगो की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल एफोमी एकेंगे ने बताया कि विमान दक्षिण-पश्चिमी कांगो के किकविट शहर से राजधानी किंशासा लौट रहा था. इसी दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब में पराली जलाने के शुरुआती 40 मामले, प्रशासन सख्त

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में धान की कटाई के शुरुआती दौर में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। 26 सितंबर तक वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएमएस) और राज्य प्रशासन की निगरानी में कुल 40 मामले दर्ज हुए हैं, जिसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सैटेलाइट और प्रोटोकॉल रिपोर्ट के अनुसार राज्यभर में पराली जलाने की कुल 40 घटनाएं सामने आई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, सर्वाधिक 21 मामले अमृतसर जिले में दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 4 खेतों में मौके पर आग लगने की पुष्टि हुई। इसके बाद तरनतारन में 6 और फिरोजपुर में 5 मामले सामने आए। कुल 28 खेतों के भौतिक निरीक्षण में 12 स्थानों पर पराली जलती मिली है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विभाग ने त्वरित कार्रवाई की है। कुल 8 मामलों में 40,000 रुपये का पर्यावरण मुआवजा (ईसी) लगाया गया है, जिसमें से 10,000 रुपये की वसूली की जा चुकी है। फिरोजपुर (15,000 रुपये), तरनतारन (10,000 रुपये) और अमृतसर (5,000 रुपये) पर प्रमुख जुर्माने लगाए गए हैं। पटियाला जिले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त, 5 मामलों में जमीन के राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है। वहीं कर्तव्य में कोताही बरतने वाले फिरोजपुर जिले के 4 नोडल और सुपरवाइजरी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, पराली जलाने से मिट्टी की उर्वरता नष्ट होती है और वायु प्रदूषण बढ़ता है, जिसके बावजूद ऐसी घटनाएं लगातार जारी हैं।

फगवाड़ा में दुष्कर्म की अफवाह पर छात्रों ने कॉलेज के शीशे और गमले तोड़े

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के फगवाड़ा में स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक छात्रा से फर्जी दुष्कर्म की खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शनिवार प्रदर्शन किया और परिसर में तोड़फोड़ की। कपूरथला के वरिष्ठ एसएसपी ने कहा कि पुलिस को इस तरह के किसी अपराध की जानकारी नहीं है। वायरल वीडियो में छात्र खिड़कियों के शीशे एवं गमले तोड़ते और कुछ वस्तुओं में आग लगाते दिखाई दे रहे हैं। छात्रों ने जालंधर-फगवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग को भी बाधित किया। इन अफवाहों के कारण छात्र यहां एकत्र हुए। उन्होंने कहा कि हमने छात्रों से बात की। उन्हें एलपीयू प्रशासन से कुछ शिकायतें हैं। हमने उनकी बात सुनी है और उनका समाधान कराने की कोशिश कर रहे हैं। स्थिति नियंत्रण में है। एसएसपी ने कहा कि संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्रों का कहना है कि उनकी शिकायतों का उचित समाधान नहीं किया जाता। विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों? पुलिस फायरिंग बरसी को लेकर भड़के वांगचुक

लद्दाख (एजेंसी)। 24 सितंबर 2025 को हुई हिंसा और पुलिस फायरिंग की पहली बरसी पर पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने मीडिया कवरेज, हिंसा की न्यायिक जांच, पीड़ितों के मुआवजे और खुद पर लगाए गए एनएसए के तहत कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांगा है। बता दें 24 सितंबर को लद्दाख के कई हिस्सों में बंद रहा और इस दिन को कुछ लोगों ने शहीद दिवस के तौर पर मनाया। पिछले साल हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वांगचुक ने कहा कि 27 सितंबर को पिछले साल वह जोधपुर की जेल में थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान उन्हें पता चला था कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया है। उन्होंने 24 सितंबर को लद्दाख में मनाए गए शहीद दिवस का जिक्र करते हुए मीडिया कवरेज पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि जब लद्दाख में शहीद दिवस मनाया जा रहा था, तब मीडिया ब्लैकआउट जैसा माहौल था। उन्होंने कहा कि 24 सितंबर को कई मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि वहां नहीं पहुंचे। वांगचुक ने सवाल किया कि क्या मीडिया को किसी खबर को दिखाने से रोका जाता है? उन्होंने मीडिया संस्थानों के प्रमुखों से पूछा कि लद्दाख के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

दो करोड़ की रिश्वत लेते बिचौलिया गिरफ्तार, एडिशनल एसपी भी हिरासत में

उदयपुर (एजेंसी)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने एक बिचौलिये को दो करोड़ रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी ने इस मामले में एसओजी उदयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी को भी हिरासत में लिया है। एसीबी के महानिदेशक ने शनिवार देर रात जारी बयान में बताया कि आरोपी बिचौलिये की पहचान सज्जन सिंह उर्फ टाटला के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि सज्जन सिंह एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी के लिए यह रिश्वत ले रहा था। शिकायतकर्ता ने शिकायत दी थी कि उदयपुर नगर निगम के 272 भूखंडों से जुड़े चर्चित मामले में पहले गिरफ्तार आरोपियों को दर्ज मुकदमों में राहत दिलाने, अन्य मामलों में आरोपी नहीं बनाने और गिरफ्तारी के दौरान उनके घरों से मिले ऐसे दस्तावेज लौटाने के बदले दो करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का ओवैसी पर हमला: देश में फिर पैदा हो गए हैं जिन्ना

राहुल-सोनिया गांधी पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली , एजेंसी।

चुनाव आयोग और एसआईआर (एसआईआर) के मुद्दे पर छिड़े सियासी घमासान के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और गांधी परिवार पर तीखा हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने ओवैसी द्वारा एसआईआर पर सवाल उठाने पर कड़ा ऐतराज जताकर कहा कि देश में एक बार फिर से जिन्ना पैदा हो गए हैं। उन्होंने ओवैसी पर संविधान में आस्था न रखने का आरोप लगाकर कहा कि बैरिस्टर होने के बावजूद वे एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सवालिया लहजे में कहा कि यदि इन्हें संविधान पर भरोसा नहीं है, तब क्या देश में शरिया कानून लागू कर दिया जाए?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर हमला बोलकर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा

कि कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीकार नहीं कर पा रही है। उन्होंने दावा किया कि गांधी-नेहरू परिवार पीएम मोदी को इसलिए नहीं पचा पा रहा है क्योंकि वह एक गरीब का बेटा हैं। चुनाव हारने के बाद विपक्ष द्वारा वोट चोरी और ईवीएम पर सवाल उठाने की संस्कृति पर नाराजगी जताकर उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस जीतती है, तब चुनाव सही होते हैं और हारने पर वह संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप मढ़ने लगती है। सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर भी उन्होंने पुराना सवाल दोहराया।

इस बीच, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बयानबाजी चरम पर है। एक तरफ जहां विपक्ष इस मुद्दे पर लामबंद होकर चुनाव आयोग और सरकार को घेर रहा है, वहीं बीजेपी के तमाम नेता इसका पुरजोर बचाव कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर हार की बौखलाहट में बहाने बनाने का आरोप लगाया है। वहीं, पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने भी मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर हो रहे विरोध को राजनीति से प्रेरित और अफवाह करार दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में यह विवाद और अधिक तूल पकड़ सकता है, जिससे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव और गहराने के पूरे आसार हैं।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश से बातचीत की गुंजाइश नहीं : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया कि भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले किसी भी देश से बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत शांति का पक्षधर है और बातचीत में विश्वास रखता है, लेकिन अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। यदि कोई देश भारत के खिलाफ आतंकवाद को हवा देता है, तब उस देश से संवाद असंभव है। केंद्रीय मंत्री का सीधा-सीधा इशारा पाकिस्तान की तरफ था। केंद्रीय मंत्री सिंह ने याद दिलाया कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसतरह देशों को कड़ा संदेश दिया था जो आतंकवाद को अपनी नीति का साधन बनाते हैं या आतंकियों को पनाह देते हैं। उन्होंने जोर दिया कि जब तक पड़ोसी देश आतंकवाद की राज्य नीति पर कायम रहेगा, भारत भी आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। रक्षा मंत्री ने देश की रक्षा क्षमताओं में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को केवल आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य नहीं दिया, बल्कि अपने सामर्थ्य पर विश्वास करना सिखाया है। आज डीआरडीओ केवल अनुसंधान संस्थान नहीं, बल्कि उद्योगों, विश्वविद्यालयों और नए उद्यमों को जोड़ने वाला राष्ट्रीय नवाचार मंच बन चुका है। रक्षा मंत्रालय ने नए उद्यमों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) से 2400 करोड़ रुपए से अधिक की खरीदारी को मंजूरी दी है, साथ ही नई तकनीक के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं।

रांका की गिरफ्तारी पर गहराया विवाद: सीजेपी ने सीएम हिमंत को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को खुली चुनौती दी है। यह चुनौती सीजेपी सदस्य आशुतोष रांका और उनकी टीम को गुवाहाटी में हिरासत में लेने के बाद सामने आई है। दीपके ने चेतावनी दी है कि यदि आशुतोष को रिहा नहीं किया गया, तब सीजेपी के सभी सदस्य असम जाएंगे और मुख्यमंत्री उन सभी को गिरफ्तार कर सकते हैं।

सीजेपी सदस्य रांका को उनकी टीम के साथ गुवाहाटी में एक निजी घर से हिरासत में लिया गया। उन्हें अभी तक गिरफ्तारी का कारण नहीं बताया गया है। रांका ने हिरासत के दौरान दावा किया कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा डरे हुए हैं, क्योंकि सीजेपी असम के स्कूलों की वास्तविक स्थिति और काजीरंगा में लोगों के अधिकार छीनकर कॉर्पोरेट्स को जमीन, जंगल और पानी सौंपने जैसे मुद्दों को उजागर करना चाहती है। रांका ने वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि सीएम असम विधानसभा चुनावों में हुई कथित धांधली से भयभीत हैं, जिसमें सीटों की सीमाएं बदलकर और नागरिकों को मतदाता सूची से हटाकर हेरफेर हुआ था।

दीपके ने मुख्यमंत्री सरमा पर सीधा हमला कर कहा कि आशुतोष को बिना किसी आरोप के उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर रांका को जल्द रिहा नहीं किया गया, तब वह और सीजेपी के अन्य सदस्य असम आएंगे और सीएम के पास उन सभी को गिरफ्तार करने का विकल्प होगा। सीजेपी नेताओं का दावा है कि उन्हें गुवाहाटी में एक स्वयंसेवक बैठक आयोजित करने से रोका गया था।

रांका ने पुलिस के साथ चलती गाड़ी से रिकॉर्ड किए गए वीडियो में, मुख्यमंत्री सरमा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीएम उनकी आवाज़ दबाना चाहते हैं क्योंकि वे असम की वास्तविकताओं को सामने लाने से डरते हैं, खासकर शिक्षा क्षेत्र और स्थानीय लोगों के अधिकारों के हनन के संबंध में। रांका ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की यह कार्रवाई उनके डर को दर्शाती है कि देश को असम की सच्चाई का पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि सीजेपी ऐसी धमकियों से डरने वाली नहीं है।

दीदी ने दिखाए तेवर बोलीं- तुम बंगाल रखो, हम दिल्ली लेने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।

एसआईआर को लेकर जारी बवाल और मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद की खबरों के बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा पर आक्रामक हो गई हैं। वह इस मौके का पूरा फायदा उठाकर विपक्षी एकता को मजबूत करने का प्रयास कर रही हैं और केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर तुमने बंगाल लिया है, तो हम दिल्ली ले लेंगे।

ममता बनर्जी ने अपनी जानी दुश्मन रही सीपीएम के साथ भी बातचीत शुरू कर दी है, जो उनकी विपक्षी एकजुटता की पहल की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है, जिसमें चुनाव आयोग से संबंधित मामलों और आगे की रणनीति पर गहन चर्चा की जाएगी। हुगली के सेरमपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी

को संदेश दिया कि विपक्ष की सभी पार्टियों को एक साथ बैठकर चुनाव आयोग और एसआईआर की प्रक्रिया पर एक मजबूत रणनीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं यह संदेश राहुल गांधी तक पहुंचाना चाहती हूं।

मुख्यमंत्री ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के पीछे ज्ञानेश कुमार का हाथ था, और कहा कि जिस तरह ज्ञानेश कुमार को पकड़ा गया है, उसी तरह वह अन्य गलत काम करने वालों को भी पकड़ेंगी। उन्होंने दोहराया कि कुमार को जाना ही होगा, और जब तक वे नहीं चले जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। ममता ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने बंगाल पर कब्जा करने की नीयत से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान चलाया, जिसके तहत 93 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने दावा किया कि सबसे पहले तृणमूल ने ही सीमा खन्ना की भूमिका को संदिग्ध बताया था, और कहा कि सारे रिकॉर्ड दिए गए हैं, मतदाता सूची से एक-एक करके नाम गायब कर दिए गए हैं। उन्होंने बंगाल पर कब्जा किया है और वह दिल्ली पर कब्जा करेंगी।ममता बनर्जी ने घोषणा की कि वे एसआईआर के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करने वाली किसी भी राजनीतिक पार्टी का साथ देंगी, चाहे उसका राजनीतिक रंग कोई भी हो। उन्होंने एसटीएफ और सीआईडी जैसी एजेंसियों तथा पुलिस की आलोचना करते हुए जनता से कहा, डरिए मत। गिरफ्तारी के लिए तैयार रहिए, खुलकर बोलिए और एकजुट रहिए।

गडकरी ने आरटीओ में जारी भष्ट्राचार पर चेतावनी.....तब आपकी नौकरी जाएगी

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री परिवहन सेवा योजना के शुभारंभ के मौके पर भ्रष्टाचार और वैकल्पिक ईंधन पर महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने आरटीओ अधिकारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी चेतावनी देकर कहा, बहुत से ऑफिसर गांधीवादी हैं। गांधी जी की नोट दिखाई देती है, तब फटाफट ठप्पा लगा देते हैं। जरा याद रखना। गलत बस सेंशन किया, तब आपकी नौकरी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने 17 सेवाओं को डिजिटल कर दिया है ताकि जनता को आरटीओ कार्यालय आने की आवश्यकता न पड़े और उनका जीवन सुगम हो सके।

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने नई सुरक्षा व्यवस्था का जिक्र किया। इसके तहत, हर बस के लिए एक अलग चेकलिस्ट तैयार होगी और उस सूची को वाहन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। किसी भी बस का पंजीकरण फिजिकल और वीडियो निरीक्षण के बिना नहीं किया जाएगा, जिससे सुरक्षा मानकों में वृद्धि होगी। इथेनॉल को भविष्य का ईंधन बताकर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मध्य प्रदेश सरकार को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने समझाया कि ई-20 का अर्थ है पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल का मिश्रण, इस किसान मक्का, धान और कपास के पुआल जैसे कृषि उत्पादों से बनाते हैं। यह व्यवस्था अमेरिका, जर्मनी और जापान सहित 19 देशों में पहले से ही प्रचलित है। केंद्रीय गडकरी ने अपने इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर, स्कूटर और हाइड्रोजन कार के उपयोग का उल्लेख कर बताया कि जल्द ही 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां उपलब्ध होंगी, जिससे देश की पेट्रोल-डीजल आयात पर निर्भरता काफी कम होगी।

राहुल गांधी हमारे अप्रत्यक्ष स्टार प्रचारक है, वो जहां जाते हैं बीजेपी को फायदा होता है

-इंदौर में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर मंत्री विजयवर्गीय ने साधा निशाना

आगर मालवा, एजेंसी।

राहुल गांधी हाल में इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। अब प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस कार्यक्रम और राहुल गांधी को लेकर बयान दिया है। उन्होंने सुसनेर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में हमारी मोदी सरकार को बदनाम करने के लिए एक रैपर को बुला लिया, खूब जेन-जी किया, फोकट की कॉमेडी की, खूब डांस किया। विजयवर्गीय ने कहा कि हमने कहा क्या जरूरत है इन सबकी। आपके नेता को खड़ा कर दो, उनके नेता ऐसे ही हैं, जहां खड़ा कर दो वहां भीड़ लग जाती है। लोग सुनना चाहते कि पता नहीं कब किधर से आलू डाले और सोना निकाल दे।

उन्होंने कहा कि मुझसे पूछा कि राहुल गांधी आ रहे है, तो मैंने कहा कि इससे तो हमारा

फायदा होगा, वो तो हमारे अप्रत्यक्ष स्टार प्रचारक है, वो जहां जाते है वहा बीजेपी को फायदा होता है। विजयवर्गीय ने आगे कहा कि केंद्र में मोदी सरकार है। मध्य प्रदेश में मोहन यादव की सरकार है। ये कांग्रेस वाले पैसा कहां से लाएंगे। भाई ये कांग्रेस वाले क्या धंधा करते हैं? मुझसे ज्यादा आप जानते हैं। विजवर्गीय ने सुसनेर से कांग्रेस के विधायक पर भी तंज कसते हुए घंटी बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजयवर्गीय ने कहा कि आपके यहां के विधायक बड़े व्यवहारिक हैं। मेरे पास आते है और कहते हैं कि ये काम है, वो काम है। मैं उनकी हां में हां मिलाता हूं। कभी ना नहीं करता। उन्हें कड़क मीठी चाय पिलाता हूं। अगर उनका उम्मीदवार जीतेगा तो कागज लाएंगे तो में सब कागज रख लूंगा और जाते-जाते एक बॉक्स दूंगा की उसे सुसनेर जाकर खोलना। वहीं बीजेपी का प्रत्याशी प्रदीप जीता और यह आया तो सभी कागज तुरंत मंजूर कर दूंगा और ये कांग्रेस से जीतकर आएगा। सुसनेर आकर बॉक्स खोलेगा तो उसमें मिलेगी घंटी, अब आप देख लो कि आपको विकास करना है कि घंटी बजवाना है।

युद्ध के बदलते स्वरूप के साथ हमारी सोच भी बदलनी होगी : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी।

थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने कहा है कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल देश में हथियार बनाना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि भारत लंबे समय तक चलने वाले युद्धों में अपनी सैन्य ताकत को बनाए रखे और बदलती जरूरतों के अनुसार इस बदलाव में ढाल सके। बदलते युद्ध के दौर में आत्मनिर्भरता विषय पर उन्होंने कहा कि युद्ध का स्वरूप, तकनीक और उसकी अवधि तेजी से बदल रही है, इसलिए सैन्य क्षमता के विकास और आत्मनिर्भरता पर हमारी सोच को लगातार बदलना होगा।

जनरल सेठ ने आज के युद्धों को रुक-रुक कर होने वाले युद्ध बताया, जिनकी 1971 के युद्ध की तरह कोई स्पष्ट समाप्ति नहीं होती। उन्होंने समझाया कि सैन्य क्षमताएं तैयार करने में वर्षों लगते हैं, जबकि तकनीक बहुत कम समय में बदलती है। इसके बाद चुनौती सिर्फ स्वदेशी हथियार बनाने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि सेना में शामिल होने तक वे आधुनिक और उपयोगी बने रहें।

सेना प्रमुख ने भारत की विविध भौगोलिक परिस्थितियों का जिक्र कर कहा कि हमारी सैन्य क्षमताएं देश की अपनी जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि कुछ सौ डॉलर के ड्रोन लाखों डॉलर के महंगे सैन्य प्लेटफार्मों के लिए खतरा बन सकते हैं। चूंकि तकनीक अब व्यापक रूप से उपलब्ध है, असली बढ़त इस बात से मिलेगी कि हम विरोधी से कितनी तेजी से नए समाधान खोजते हैं और खुद को बदलते हैं। उन्होंने पुरानी सैन्य प्रणालियों को जल्दबाजी में बेकार मानने के प्रति भी आगाह किया, क्योंकि आधुनिक सेंसर से लैस होकर वे ड्रोन जैसे नए खतरों के खिलाफ प्रभावी हो सकती हैं। जनरल सेठ ने दूर से मार करने और जमीन पर सीधे युद्ध करने, दोनों क्षमताओं की आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि जमीन पर नियंत्रण अंततः सैनिक ही स्थापित करता है।

एसआईआर को लेकर लिया फैसला गलत था, लेकिन हम क्या कर सकते थे?

ओवैसी ने उठाए सवाल- चुनाव आयोग के फैसले किस तरह लिए गए

नई दिल्ली, एजेंसी।

हैदराबाद सांसद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर मतदाता सूची के एसआईआर पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वह शुरुआत से ही एसआईआर के खिलाफ रहे हैं और इसे बैकडोर एनआरसी मानते हैं। ओवैसी ने चुनाव आयोग के भीतर फैसले लेने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं।

हैदराबाद में ओवैसी ने कहा कि मैं शुरू से एसआईआर का विरोध करता रहा हूं। मेरा मानना है कि एसआईआर को लेकर लिया गया फैसला गलत था, लेकिन हम क्या कर सकते थे? सुप्रीम कोर्ट ने इसे बरकरार रखा। ओवैसी ने हाल में चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्ट का जिक्र करते हुए सवाल किया कि आयोग के फैसले किस तरह लिए गए। उन्होंने कहा कि देश को बताया जाना चाहिए कि कितने फैसले बहुमत से लिए गए? ओवैसी ने दो चुनाव आयुक्तों की ओर से दर्ज आपत्तियों का जिक्र करते हुए पूछा कि अगर कुछ फैसले बहुमत के आधार पर नहीं हुए तो उनकी कानूनी स्थिति क्या होगी?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 मौकों पर अलग-अलग मुद्दों को लेकर रिकॉर्ड पर आपत्तियां दर्ज की थीं। हालांकि चुनाव आयोग का कहना है कि सदस्यों की टिप्पणियां और अलग-अलग राय विचार-विमर्श की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं और अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। ओवैसी ने एसआईआर की प्रक्रिया से गरीबों को परेशानी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोगों को दस्तावेज खोजने के लिए इधर-उधर भागना पड़ रहा है।

ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की मौजूदा प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब इससे जुड़ा विधेयक संसद में आया था, तभी उन्होंने इसकी विश्वसनीयता को लेकर चिंता जताई थी। उन्होंने तेलंगाना में एसआईआर की व्यावहारिक दिक्कतों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में एनआरसी नहीं हुआ और स्थायी निवास प्रमाणपत्र की व्यवस्था भी नहीं रही है। ऐसे में लोगों से पुराने रिकॉर्ड और दस्तावेज मांगने से परेशानी बढ़ सकती है। ओवैसी ने प्रक्रिया को ऑनलाइन किए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ बीएलओ को घर-घर जाकर नोटिस देने और दस्तावेज लेने हैं, दूसरी तरफ बड़ी संख्या में मामलों को ऑनलाइन संभालना है। उनके मुताबिक इतने बड़े स्तर पर इस प्रक्रिया को पूरा करना बेहद मुश्किल है। ओवैसी इससे पहले भी एसआईआर को बैकडोर एनआरसी बताते हुए नागरिकों से दस्तावेज मांगने और नाम छूटने की आशंका को लेकर सवाल उठा चुके हैं।